सिटी चीफ

News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-275
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 09 जनवरी 2025

आज का विचार

जो समय के साथ बदलता है, वह सदैव उन्नति करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लॉन्च की पार्थ योजना

मप्र सरकार युवाओं को देगी पुलिस-सेना की ट्रेनिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश में युवाओं के लिए प्रदेश सरकार ने एक बड़ी योजना लॉन्च की है। इस योजना में प्रदेश के युवाओं को सरकार सेना, पुलिस और पैरा मिलिट्री की ट्रेनिंग देगी। इस ट्रेनिंग में फिजिकल से लेकर परीक्षा तक की तैयारी करवाई जाएगी। शुरूआती दौर में प्रदेश के सभी संभागों में इस योजना को शुरू किया जा रहा है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पार्थ स्कीम यानी, पुलिस आर्मी रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग एंड हुनर की शुरूआत की। इस योजना में प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना, पुलिस, पैरा मिलिट्री आदि में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भर्ती पूर्व ट्रेनिंग दी जाएगी। खेल विभाग की संभाग स्तरीय अधोसंरचना में भी युवाओं को प्रशिक्षण मिल सकेगा।

पार्थ योजना के अंतर्गत में युवाओं के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा, जो संभाग स्तरीय रहेगा। इसमें उन्हें शारीरिक दक्षता (फिजीकल टेस्ट), लिखित परीक्षा (सामान्य ज्ञान, गणित, अंग्रेजी आदि) एवं व्यक्तित्व विकास के लिए एक्सपर्ट ट्रेनिंग देंगे। ट्रेनिंग सेंटर का संचालन संबंधित जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी करेंगे। इसके लिए ग्रामीण युवा समन्वयक और विभागीय कर्मचारियों का भी सहयोग लिया जाएगा। भर्ती पूर्व प्रशिक्षण की योजना स्ववित्त पोषित होगी। इसके लिए प्रशिक्षणार्थी से प्रतिमाह निर्धारित शुल्क लिया जाएगा।

युवाओं को ट्रेनिंग देने के लिए इन्हें किया जाएगा नियुक्त शारीरिक दक्षता के लिए निश्चित मानदेय पर रखे जाने वाले प्रशिक्षक की न्यूनतम अर्हता बीपीएड, बीपीई, एनआईएस डिप्लोमा एवं राज्य स्तर का एथेलेटिक खेल का खिलाड़ी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा (सामान्य ज्ञान, गणित, अंग्रेजी आदि) एवं व्यक्तित्व विकास के लिए विषय विशेषज्ञ सरकारी या प्राइवेट शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत अधिकारी,कर्मचारी की सेवाएं पार्ट टाईम ली जाएगी। स्थानीय स्तर पर विषय विशेषज्ञ की सेवाएं लेने का निर्णय समिति करेगी।

ऑनलाइन फॉर्म भरकर युवा ले सकते हैं ट्रेनिंग जानकारी के अनुसार खेल और युवा कल्याण विभाग पार्थ योजना को लेकर जोरो सोरों से तैयारी कर रहा है। युवाओं को इस योजना से जोड़ने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा और एक फीस निर्धारित की जाएगी जिसे उन्हें चुकाना होगा। जिसके बाद उन्हें रजिस्टर कर लिया जाएगा और उन्हें प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा ट्रेंड किया जाएगा। खास बात यह है कि इस योजना में सरकार का कोई बजट खर्च नहीं होगा बल्कि युवाओं से ली गई फीस से ही इस योजना का संचालन किया जाएगा। योजना में केवल सरकार के संसाधनों का उपयोग किया जाएगा।

एमपीवायपी पोर्टल भी लॉन्च इस योजन के साथ खेल विभाग ने प्रदेश के सभी युवाओं को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए एमपीवायपी पोर्टल तैयार किया है। इसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। यह प्लेटफॉर्म प्रदेश के सभी युवाओं के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जहां युवा अपनी प्रतिभा को निखारकर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकेंगे।

युवाओं को भविष्य में मिलेंगे बेहतर मौके सीएम मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि पार्थ योजना के तहत युवाओं को पुलिस, आर्मी और पैरामिलिट्री फोर्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें बच्चों को शारीरिक प्रशिक्षण से लेकर व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस योजना के माध्यम से युवाओं को भविष्य में बेहतर मौके मिलेंगे।

सड़क हादसों में घायल हुए लोगों को मिलेगा 1.5 लाख तक का कैशलेस उपचार

नई दिल्ली।अब सड़क हादसों के पीड़ितों को केंद्र सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। सड़क हादसों में घायल होने वालों को कैशलेस उपचार मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस उपचार योजना का एलान किया। इसके तहत हादसों के पीड़ितों का सात दिन के इलाज का 1.5 लाख रुपये तक का खर्च सरकार वहन करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर पुलिस को हादसे के 24 घंटे के अंदर सूचना दे दी जाती है तो सरकार इलाज का खर्च उठाएगी। इसके साथ ही उन्होंने हिट एंड रन के मामलों में भी पीड़ित परिवारों को दो लाख रुपये तक मुआवजा देने की घोषणा की। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत मंडपम में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों के साथ बैठक की थी। इसमें परिवहन संबंधी नीतियों और केंद्र व राज्य के बीच सहयोग को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने कैशलेस उपचार की योजना शुरू की है। इसके तहत अगर दुर्घटना होने के 24 घंटे के अंदर पुलिस को सूचना दी जाती है तो हम भर्ती होने वाले मरीज के सात दिनों के इलाज का खर्च और इलाज के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक देंगे। इसके साथ ही हम हिट एंड रन मामलों के मृतकों को दो लाख रुपये देंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन... जेपीसी सदस्यों को सूटकेस में दी गई 18000 पन्नों की रिपोर्ट

क्या 'सूटकेसभर' पढ़ पाएंगे सांसद?

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव को लेकर संसद की संयुक्तसमिति की पहली बैठक बुधवार को हुई। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष से जुड़े तमाम सांसदों ने अपनी अपनी बात समिति के सामने रखी। सत्ता पक्ष से जुड़े हुए सांसदों ने जहां इस बिल को देश की जरूरत बताया तो वहीं विपक्षी सांसदों ने बिल को राज्यों के अधिकतर छीनने वाला बिल बताया। इस बैठक के दौरान कानून मंत्रालय के अधिकारियों ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट के बारे में जहां समिति के सदस्यों को जानकारी दी, तो वही उसके अलावा बिल के प्रावधानों के बारे में भी समिति के सदस्यों को अवगत करवाया। बैठक के बाद समिति के तमाम सदस्यों को एक बड़े सूटकेस में 18,000 से ज्यादा पन्नों के दस्तावेज भी सौंपे गए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सूटकेस के साथ एक तस्वीर भी शेयर की। समिति के सदस्यों से कहा गया कि इसमें वे तमाम दस्तावेज हैं जो इस बिल को लाने की वजह और इसको कैसे लागू किया जा सकता है उससे जुड़ी हुई जानकारियां समिति के सदस्यों के सामने रखेंगे। बैठक के बाद समिति के सदस्य उन बड़े-बड़े सूटकेस को अपने साथ ले जाते हुए भी नजर आए।

पैसे की बचत कैसे होगी? सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस बैठक के दौरान पहली बार सांसद बनकर संसद पहुंची और इस कमेटी का हिस्सा बनी प्रियंका गांधी ने एक देश एक चुनाव पर कहा कि सरकार को यह भी बताना चाहिए कि अगर देश में सारे चुनाव एक साथ होते हैं तो उससे पैसे की बचत कैसे होगी? अगर देशभर के चुनाव एक साथ होने हैं तो क्या उसके लिए इतनी ईवीएम उपलब्ध हैं?

जब 1967 तक ऐसा हो सकता था तो अब क्यों नहीं? सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जिन सांसदों ने बिल का समर्थन किया उनकी दलील थी कि 1967 तक जब देश में एक साथ एक चुनाव हो सकते थे तो उस पर अब क्यों आपत्ति की जा रही है। अगर 1967 तक वह राज्यों के अधिकार छीनने वाला कानून नहीं था तो फिर अब उसको राज्यों के अधिकार में हस्तक्षेप वाला बिल क्यों कहा जा रहा है?

1957 का उदाहरण भी दिया गया जो सांसद बिल का समर्थन कर रहे थे उन्होंने देश में 1957 का उदाहरण भी दिया। सूत्रों के मुताबिक 1957 का उदाहरण देते हुए कहा गया कि 1957 में 6-7 विधानसभाओं के कार्यकाल को समय से पहले भंग कर एक साथ चुनाव करवाए गए थे। जिस दौरान ऐसा किया गया उस दौरान संविधान सभा के अध्यक्ष देश के राष्ट्रपति पद पर आसीन थे।

सालभर चुनाव ही चलते रहते हैं सूत्रों के मुताबिक इस बैठक के दौरान महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड जैसे राज्यों का उदाहरण भी दिया गया। जहां पर विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव के कुछ महीनो के अंदर होते हैं और विधानसभा चुनाव के कुछ ही महीने बाद मुंबई महानगरपालिका जैसे चुनाव करवाए जाते हैं यानी सालभर चुनाव ही चलते रहते हैं। इसके चलते जो विकास की परियोजनाएं हैं वह बाधित होती रहती हैं। गौरतलब है कि एक देश एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की यह संयुक्त समिति में 39 सदस्य हैं। इस समिति में 27 लोकसभा के तो 12 राज्यसभा के सदस्य मौजूद हैं। इस कमेटी के अध्यक्ष पी पी चौधरी हैं।

दो साल में 5 लाख लोगों को मिलेगी एआई की ट्रेनिंग

सरकार और माइक्रोसॉफ्ट में हुआ करार

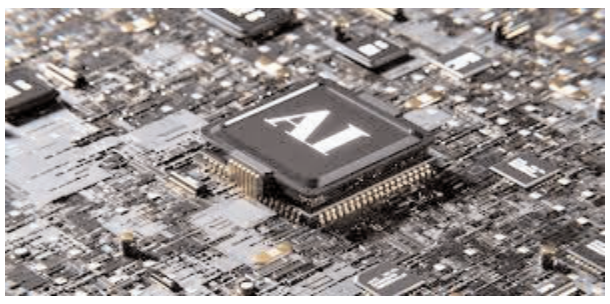

नई दिल्ली। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज गति से प्रसार को देखते हुए भारत में सभी सेक्टर में एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सरकार एक्टिव हो गई है। इस दिशा में अगले दो साल में पांच लाख लोगों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, इंडियाएआई मिशन के तहत 1000 एआई स्टार्टअप को भी सभी प्रकार की मदद दी जाएगी। इस काम के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जुड़ी एजेंसी इंडियाएआई और आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी माइक्रोसाफ्ट के बीच करार किया गया है। एआई से जुड़े फ्रेमवर्क व मानकों जैसी चीजों को तय करने के लिए देश में एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट की भी स्थापना की जाएगी। प्रशिक्षण पाने वालों में छात्र, शिक्षक, साफ्टवेयर डेवलपर्स, सरकारी कर्मचारी व महिला उद्यमी मुख्य रूप से शामिल होंगे। ग्रामीण भारत तक एआई की पहुंच को ले जाने के लिए टियर-2 व टियर 3 शहरों में एआई केटालिस्ट की स्थापना की जाएगी। इस केटालिस्ट सेंटर के माध्यम से एक लाख एआई इनोवेटर्स और डेवलपर्स तैयार किए जाएंगे। इंडियाएआई और माइक्रोसाफ्ट के सहयोग से देश के 10 राज्यों में स्थित राष्ट्रीय स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में एआई प्रोडक्टिविटी लैब भी स्थापित किए जाएंगे। इस लैब की मदद से 20,000 शिक्षक और एक लाख छात्रों को एआई के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा प्रमुख सेक्टर के लिए एआई आधारित सोल्यूशन विकसित करने पर भी फोकस किया जाएगा। सबसे बड़ी बात है कि एआई की बेसिक जानकारी व प्रशिक्षण भारतीय भाषा में दी जाएगी। इंडियाएआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण से नैतिकता आधारित एआई का प्रसार होगा और एआई स्टार्टअप को मदद मिलने से आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। भारत एआई सेक्टर में दुनिया का नेतृत्व करना चाहता है और दुनिया के साथ मिलकर एआई का वैश्विक फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है।

आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में मची भगदड़, चार की मौत, 150 घायल

तिरुपति। आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में बुधवार शाम भगदड़ मच गई। वैकुंठ द्वार दर्शन टिकट काउंटर के पास यह हादसा हुआ है। भगदड़ में एक महिला समेत 4 लोगों की मौत हो गई। 150 से ज्यादा भक्त घायल होने की खबर है। इन में से छह लोगों की हालत गंभीर है। ये हालात टोकन लेने के दौरान पैदा हुए। दरअसल तिरुपति में वार्षिक वैकुंठ दर्शन टिकट काउंटरों पर अराजकता फैल गई क्योंकि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने वैकुंठ एकादशी 2025 के लिए ऑनलाइन बुकिंग और टिकट जारी करना शुरू कर दिया था। काउंटर के पास 4 हजार से ज्यादा श्रद्धालु कतार में खड़े थे तभी भगदड़ मच गई। भगदड़ मचने से वहां अफरा-तफरी मच गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। इसमें मल्लिका नाम की एक महिला भी शामिल है। हालात बिगड़ता देख तिरुपति पुलिस ने मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रित किया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति में विष्णु निवासम के पास तिरुमाला श्रीवारी वैकुंठ द्वार में दर्शन के लिए टोकन लेने के लिए हुई भगदड़ में चार श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस घटना से बहुत दुखी हैं। यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु टोकन लेने के लिए एकत्र हुए थे। मुख्यमंत्री ने घटना में घायलों को दिए जा रहे उपचार के बारे में अधिकारियों से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों को घटना स्थल पर जाकर राहत उपाय करने का आदेश दिया, ताकि घायलों को बेहतर उपचार मिल सके। एक दिन पहले ही तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने 10 से 19 जनवरी, 2025 तक आयोजित होने वाले वैकुंठ एकादशी और वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए विस्तृत व्यवस्थाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि आम तीर्थयात्रियों को वैकुंठ द्वार दर्शन प्रदान करना टीटीडी की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भोपाल सेंट्रल जेल के भीतर चीनी ड्रोन मिलने से मचा हड़कंप

भोपाल। सेंट्रल जेल के भीतर एक चीनी ड्रोन मिला है। काले रंग के इस ड्रोन में कैमरे भी लगे हैं। इसकी बैटरी भी चार्ज पाई गई है। इस जेल में 69 आतंकवादी बंद हैं, जो अलग-अलग संगठनों से संबंध रखते हैं। ऐसे में ड्रोन मिलने से खलबली मची हुई है। अभी तक यह सामने नहीं आ पाया है कि ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से भेजा। पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने इसकी पड़ताल शुरू कर की है। जेल अधीक्षक राकेश कुमार भांगरे के मुताबिक जेल में ब-खंड के पास एक दो मंजिला बिल्डिंग बन रही है। यहां स्थित हनुमान मंदिर के पीछे बुधवार दोपहर बाद साढ़े तीन बजे एक ड्रोन गिरा पाया गया। इस पर सबसे पहले नजर वहां ड्यूटी कर रहे जेल प्रहरी सोनेवाल चौरसिया की पड़ी थी। उसे कब्जे में लेकर चेक किया गया, तो उसमें लगी बैटरी चार्ज पाई गई। काले रंग के इस ड्रोन में कैमरे भी लगे हैं। इसके साथ ही चालू होने पर इसमें रंग-बिरंगी लाइट भी जलती हैं। जांच के दौरान ड्रोन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। हालांकि प्रारंभिक जांच में चीन निर्मित यह ड्रोन खिलौना प्रतीत हो रहा है, लेकिन अति सुरक्षा वाले क्षेत्र में इसके पहुंचने को काफी गंभीरता से लिया है। घटना के बारे में डीजीपी, डीजी जेल, अन्य आला अधिकारियों को बता दिया गया है। खुफिया एजेंसियां ने भी इसकी जांच शुरू कर दी है। गांधी नगर थाना प्रभारी सुरेश फरकले के मुताबिक ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है कि आखिर कैसे यह जेल के अंदर तक पहुंच गया है। इसके लिए जेल में कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी के फुटेज भी चेक किए जा रहे हैं। भोपाल सेंट्रल जेल के उच्च सुरक्षा वाले सेल में सिमी के 23 आतंकी हैं। उनके साथ पापुलर फ्रंट आफ इंडिया के 21, हिज्ब उत तहरीर के 17, आइएसआइएस के चार और जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश के चार आतंकी बंद हैं।

जमा देने वाली ठंड...इंदौर के आसपास जम गई ओस की बूंदे

सिटी चीफ इंदौर। जमा इंदौर। मध्यप्रदेश में सर्दी का सितम दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। इंदौर में लगातार दूसरे दिन कड़ाके की ठंड का असर देखा गया। हालात ऐसे रहे कि इंदौर के आसपास के इलाकों में ओस की बूंदे जमकर बर्फ में बदल गई। मंगलवार की रात इंदौर में तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 4 डिग्री कम था। इंदौर के आसपास के जिलों में पारा इससे कम भी हो गया। हालत यह हो गई कि इंदौर के नजदीक महू के माल रोड पर इन्फेंट्री म्यूजियम के सामने घरों के बाहर खड़ी कारों पर बर्फ जम गई। बुधवार सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो कारों पर बर्फ जमी देखी। लोगों ने इसके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए। उधर, देवास में भी कड़ाके की ठंड का असर देखने को मिला। यहां बुधवार सुबह शहर से लगे पालनगर क्षेत्र में मटर सहित अन्य फसलों पर ओस की बूंदें जम गई। खेतों में फसलों पर ये ओस की बूंदें बर्फ की तरह नजर आ रही थीं। देवास में दो दिन से अधिकतम तापमान 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस पर बरकरार है।

ठंड बढ़ने से रबी फसलों को फायदा होने लगा है। इन दिनों ओस भी गिरने लगी है जो चना, गेहूं और अन्य फसलों के लिए लाभकारी है। किसानों का कहना है कि अभी तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जिससे फसलों को फायदा हो रहा है। अगर ऐसी ठंड के साथ हवा चलेगी तो जरुर पाला पड़ने की संभावना रहती है लेकिन फिलहाल हवा नहीं चल रही है। जिसके कारण फसल को कोई नुकसान नहीं है।

इंदौर में टूटा 7 साल का रिकार्ड

मौसम विभाग के मुताबिक इंदौर पिछले 10 साल में 2019 में सबसे ज्यादा ठंडा रहा है। 29 जनवरी 2019 को तापमान गिरकर 5.6 डिग्री पर पहुंचा था, जो 10 साल का सबसे कम तापमान है। वहीं पिछले साल न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक ही पहुंचा था, जो 10 साल का सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान था। लेकिन इस साल मंगलवार रात का तापमान 6.6 डिग्री पर पहुंच जाने के कारण पिछले 10 में से 7 साल का रिकार्ड टूट गया। सिर्फ 2017, 2019 और 2022 का ही रिकार्ड बाकी रह गया। इस तरह पिछले 10 साल में यह साल चौथा सबसे ठंडा साल भी बन गया है।

रतलाम, नीमच, शाजापुर में शीत लहर का प्रकोप

मध्यप्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस पचमढ़ी में दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे के दौरान रतलाम, सिवनी, नीमच, भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर समेत कई अन्य हिस्सों में शीत लहर का प्रकोप देखा गया। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अगले दो दिनों के दौरान कड़ाके की ठंड के साथ शीत लहर चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में घना कोहरा छाने की भी चेतावनी जारी की गई है। अगले 24 घंटे के दौरान भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, शाजापर जिलों के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना जिलों के विभिन्न हिस्सों में घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की गई है। सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में मध्यम कोहरा छाने का अनुमान है।

कल से छाएंगे बादल, 12 को हो सकती है बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले तीन दिनों तक प्रदेश में कड़ाके की ठंड का असर बना रहेगा।

इसके बाद, 10 जनवरी से मौसम में बदलाव होगा और बादल छाएंगे, साथ ही बूंदाबांदी की संभावना भी जताई जा रही है। 12 जनवरी को कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की सक्रियता के कारण सर्द हवाओं की रफ्तार में तेजी आई है। मंगलवार को 12.5 किमी की ऊंचाई पर 250 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं बही, जिसका प्रभाव प्रदेशभर में देखने को मिला है। इस प्रभाव से प्रदेश में दिन और रात के तापमान में और अधिक गिरावट आई है।

प्रदेश के आधे हिस्से में कोहरे की संभावना

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में प्रदेश के आधे हिस्से में कोहरे की संभावना जताई है। ग्वालियर-चंबल और सागर संभाग के जिलों में शीतलहर भी चलने का अनुमान है। इसके अलावा, बर्फ पिघलने के कारण सर्द हवाओं की गति और तेज हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, 20 से 22 जनवरी के बीच शीतलहर की स्थिति और तेज हो सकती है। इस दौरान ठंड में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है।

थिनर टैंकर में लगी भीषण आग चपेट में आई फैक्टरी हुई खाक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसुड़िया क्षेत्र में थिनर से भरे टैंकर में बुधवार शाम आग लग गई। आग के कारण क्षेत्र की एक फैक्ट्री भी जलकर पूरी तरह खाक हो गई। फैक्टरी में थिनर बनाया जाता था, लेकिन वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। बुधवार शाम को फैक्टरी में टैंकर खड़ा था। इसमें थिनर भरा था। शाम को अचानक टैंकर में आग लग गई। फैक्टरी में मौजूद कर्मचारी टैंकर की आग पर काबू नहीं पा सके और कुछ ही देर बाद फैक्टरी भी आग की चपेट में आ गई। परिसर में जगह जगह थिनर रखा था, जो तेजी से जलने लगा। आग लगते ही कर्मचारी परिसर से भाग गए। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थिनर ने तेजी से आग पकड ली। आग का धुआं चार किलो मीटर दूर से आसमान में दिखाई दे रहा था। आग कैसे लगी,इसकी वजह पता नहीं चल पाई। ज्वलनशील पदार्थ होने के बावजूद फैक्टरी में आग बुझाने के इंतजाम भी नहीं थे।

फैक्टरी के बाहर ट्रैफिक हो गया जाम

आग लगने के कारण परिसर के बाहर काफी भीड़ जमा हो गई थी। इस कारण यातायात भी बाधित हो गया था। जिसे पुलिस जवानों ने बहाल कराया। फैक्टरी में लगी आग को फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में काबू पाया। जानकारी के मुताबिक टैंकर में ज्वलनशील पदार्थ था। वह यूपी से केमिकल लेकर इंदौर आया था। हादसे में पास का गोदाम भी चपेट में आ गया। फायर ब्रिग्रेड के मुताबिक तीन टैंकरों से ज्यादा पानी डाला गया है। थिनर का उपयोग कलर पेंट से जुड़े कामों में ज्यादा होता है। बंद जगह पर इसके जलने से काफी धुआं उठता है और विस्फोट का खतरा भी रहता है।

उत्तरप्रदेश से आया था टैंकर

मौके पर पहुंची लसूड़िया थाना पुलिस ने बताया कि ज्वलनशील पदार्थ से भरा टैंकर उत्तरप्रदेश से आया था। वह इंदौर की फैक्टरी के लिए कैमिकल लेकर आया था। टैंकर में लगी आग के चलते फैक्टरी भी इसकी चपेट में आ गई।

फायर ब्रिगेड आने से पहले फैक्टरी हुई खाक

फैक्टरी परिसर से जान बचाकर बाहर भागे मजदूरों ने आग लगने की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। दमकल की मदद आने के पहले फैक्टरी और टैंकर पूरी तरह जलकर खाक हो गए थे। फैक्टरी और टैंकर में लगी इतनी भीषण थी कि इसका धुआं घटना स्थल से 4 किमी दूर तक दिखाई दे रहा था। वहीं आग लगने की वजह अभी तक सामने नहीं आ पाई है।

इंदौर के सीएम राईज स्कूलों में अब संगीत की शिक्षा भी मिलेगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सीएम राईज विद्यालयों में अब संगीत की शिक्षा भी मिलेगी। वहां संगीत कक्ष भी अलग से बनाए जाएंगे। शहर के तीन महाविद्यालय में संगीत की शिक्षा दी जा रही है उसे भी और अधिक समृद्ध किया जाएगा। इसके लिए नए संगीत शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। इस कार्य में शालेय शिक्षा समिति, महाविद्यालयीन जनभागीदारी समिति, नगर निगम एवं संगीत से जुड़ी अन्य सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाएगा। यह फैसला संभागायुक्त दीपक सिंह ने संगीत शिक्षकों के साथ आयोजित बैठक में लिया। उन्होंने कहा कि संगीत कक्षों के निर्माण में इंदौर विकास प्राधिकरण अपनी भूमिका निभाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने कहा कि इंदौर शहर में सभी शिक्षा संस्थानों में गायन-वादन एवं नृत्य विधा की अधिक से अधिक कार्यशालाएं हों। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं में इस तरह का कार्य करने वाली स्पिक मैके संस्था को आमंत्रित किया जाएगा। गौतम काले ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में गायन, वादन एवं नृत्य विधा क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण तो हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव विद्यार्थियों में कम दिखाई पड़ रहा है। संगीत कलाकारों और शिक्षकों के मध्य लगातार चर्चा होना जरूरी है। संगीत एक कला ही नहीं बल्कि एक साधना है। आज के दौर में संगीत सीखने में आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उस्ताद अलाउद्दीन खां कला अकादमी के पूर्व निदेशक जयंत भिसे ने कहा कि इंदौर शहर में एक से बढ़कर एक कलागुरु है। उनकी कला और ज्ञान का लाभ विद्यालय और महाविद्यालय के संगीत विद्यार्थियों को भी मिले। नृत्य शिक्षिका सुचित्रा हरमलकर ने कहा कि शासकीय शिक्षा संस्थानों में रिक्त पड़े संगतकारों के पद भरे जाएं। अधिक से अधिक शास्त्रीय संगीत समारोह आयोजित किए जाएं। बैठक में डॉ. किरणबाला सलूजा, डॉ. रचना शर्मा, रचना शर्मा, प्रिया गोखले, कपिल देव भल्ला ने भी अपने रखे।

लेडी कांस्टेबल से प्यार करने वाले स्टूडेंट ने फांसी लगाकर दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के अन्नपूर्णा क्षेत्र में एक स्टूडेंड ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह एक युवती से प्यार करता था। युवती कांस्टेबल है। युवती दूसरे युवकों से बात करती थी। इस बात से स्टूडेंट नाराज रहता था। वह लेंडी कास्टेबल को बात करने से मना करता था, लेकिन जब उनसे नहीं माना तो स्टूडेंट ने नाराज होकर आत्महत्या कर ली। धार के बाग-टांड से इंदौर आकर प्रदीप रावत बीएड की पढ़ाई कर रहा था। उनसे गुरुनानक कॉलोनी में कमरा किराए पर लिया था। वह एक लेडी कांस्टेबल से प्यार करता था। यह बात दोनों के परिवार वालों को पता थी और शादी की बात भी चल रही थी। लेडी कांस्टेबल भी इंदौर में पदस्थ थी। इंदौर में भी अक्सर दोनो मिला करते थे और छोटी-छोटी बातों पर अक्सर दोनो के बीच विवाद भी होते रहते थे। बुधवार को प्रदीप ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्रदीप ने पांच पन्ने का सुसाइड नोट भी आत्महत्या करने से पहले लिखा। उनसे कहा कि मैं आरती(परिवर्तित नाम) से प्यार करता था। वह भी मुझे प्यार करती है, लेकिन वह गांव के किसी दूसरे लड़के से भी बातें करती थी। मैने उसे बात नहीं करने को कहा। उनसे बात बंद कर दी, लेकिन फिर बड़वानी के एक युवक से उसकी दोस्ती हो गई। मैने उसके मोबाइल में चैट भी पढ़ी थी। प्रदीप ने लिखा कि मैने आरती से कहा कि यदि तु मुझसे शादी करना चाहती है तो फिर दूसरों से बात मत कर। मुझे परिवार वालों से मिला। इसके बाद आरती ने अपने पिता को कॉल लगाया। पिता शादी के लिए स्वीकार हो गए, लेकिन जब आरती अपने गांव गई तो फिर उसने कॉल किया और कहा कि परिवार के लोग बोल रहे है कि-तेरी नौकरी नहीं है। शादी के बाद तु मुझे क्या खिलाएगा। उसकी बातें सुनकर मैं टूट गया और मैने अपनी जिंदगी से हार मान ली। प्रदीप की मौत के बाद परिजनों ने थाने में जाकर लेडी कांस्टेबल के खिलाफ शिकायत की है।

इंदौर-खंडवा रोड का काम देखने आज आएंगे नितिन गडकरी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार को एक दिवसीय इंदौर यात्रा पर आ रहे हैं। वे इंदौर आने के बाद हेलीकॉप्टर से इंदौर-अकोला रोड व इंदौर-खंडवा रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे पीथमपुर जाएंगे। वहां नेट्रैक्स पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से लौटने के बाद गडकरी इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अफसरों की बैठक लेंगे और निर्माणाधीन कामों की समीक्षा करेंगे। इंदौर में बनने वाली पश्चिमी बायपास और पूर्वी बायपास पर चल रहे ब्रिजों के निर्माण को लेकर भी अफसरों से चर्चा करेंगे। प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें प्रोजेक्टों की जानकारी दी जाएगी। इंदौर प्रवास के दौरान वे नाथ मंदिर में भी दर्शन के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा वे पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन से भी मिलने जा सकते है। मंत्री गडकरी सुबह 9 बजे दिल्ली से इंदौर आएंगे। शाम को वे इंदौर से नागपुर के लिए रवाना होंगे। गडकरी सालभर पहले इंदौर आए थे। तब भी उन्होंने पश्चिमी बायपास को लेकर अफसरों को निर्देश दिए थे। अफसरों ने जमीन अधिग्रहण को लेकर आ रही बाधा के बारे में उन्हें जानकारी दी थी आधिकारिक सूत्रों ने मंत्री के दौरे की पुष्टि करते हुए बताया कि फिलहाल गडकरी के हाथों किसी प्रोजेक्ट का उद्घाटन नहीं कराया जाएगा। इंदौर-खलघाट हाईवे के खतरनाक गणेश घाट में बनाए गए बायपास और राऊ फ्लायओवर का उद्घाटन मंत्री गडकरी से बाद में कराया जाएगा।

लव जिहाद से बचने के लिए बालिकाएं सीख रहीं शस्त्र चलाना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर स्वराज्य स्वाभिमान उत्सव 2025 के तहत कई आयोजन किए जा रहे हैं। जीजामाता चौराहा स्थित ग्राउंड पर निःशुल्क शस्त्रकला शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें लगभग 1000 से अधिक बालिकाएं और महिलाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। 12 जनवरी को जिजाऊ जयंती पर मशाल यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा मालवा मिल अनाज मंडी से निकल कर जिजाऊ चौक (तीन पुलिया) पहुंचेगी। यहां 2023 में 400 किलोमीटर दूर जिजामाता की जन्मस्थली से पदयात्रा निकालकर मिट्टी लाई गई थी। उसी मिट्टी से मां जिजाऊ की प्रतिमा स्थापित की गई थी ।

स्वराज्य के इतिहास से अवगत कराएंगे

सर्व मराठी भाषी संघ की अध्यक्ष स्वाति युवराज काशिद (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय मराठा महासंघ) ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सर्व मराठी भाषीय समाजजन को एकत्र करने एवं शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज्य के इतिहास से अवगत करवाना है। इंदौर मां अहिल्या की पावन नगरी है। यहां मराठी समाज के लोगों की बड़ी संख्या है, लेकिन राजमाता जिजाऊ की कोई प्रतिमा इंदौर में अब तक नहीं थी। स्वराज्य स्वाभिमान उत्सव के तहत बीते वर्ष 2023 में प्रतिमा की स्थापित

निःशुल्क शिवकालीन शस्त्र कला प्रशिक्षण

स्वाति काशिद ने बताया कि महिलाओं और युवतियों पर छेड़छाड़ और लव जिहाद जैसे बढ़ते अपराधों को दखते हुए हमारी संस्था द्वारा यह फैसला लिया गया कि इस वर्ष हम जिजाऊ जन्मोत्सव पर 6 दिवसीय निःशुल्क शस्त्र कला प्रशिक्षण दें। इसमें महिलाओं, युवतियों एवं छोटे बच्चे लाठी-काठी, दानपट्टा, तलवारबाजी, ढोल-लेजिम, ध्वजपथक का प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह शिविर 5 जनवरी से शुरू हुआ है और 11जनवरी तक शाम 5 बजे से 9 बजे तक चलेगा। इसमें काफी संख्या में महिलाएं, युवतियां एवं बच्चे शामिल हो रहे हैं।

427 महिलाएं लेकर चलेंगी मशाल

इस वर्ष मां जिजाऊ की 427 वीं जन्म जयंती मनाई जा रही है। इसलिए 12 जनवरी को निकलने वाली मशाल यात्रा में 427 महिलाएं मशाल लेकर चलेंगी। सभी महिलाएं पारम्परिक वेषभूषा में होंगी। की गई। इससे केवल मराठी भाषी ही नहीं, बल्कि हर भारतवासी को गौरवान्वित होने का अहसास हुआ।

पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के घर में तीन मगरमच्छ देख हैरान रह गई आईटी टीम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सागर में आयकर विभाग ने भाजपा के दो बड़े नेताओं के ठिकानों पर छापा मारा। ये दोनों नेता भाजपा के पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर और पूर्व पार्षद राजेश केशवानी हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि हरवंश सिंह राठौर के बंगले से अकूत संपत्ति के अलावा तीन मगरमच्छ भी मिले हैं। हरवंश सिंह राठौर के घर में एक छोटा सा तालाब मिला है, जिसमें तीन मगरमच्छ भी मिले हैं। इन्हें देखकर आयकर विभाग की टीम भी हैरान रह गई। मगरमच्छ पालना गैरकानूनी माना जाता है, ऐसे में आयकर विभाग ने इस बात की जानकारी वन विभाग की टीम को भी दी है। क्योंकि ये मगरमच्छ बड़े हैं। आईटी विभाग की तीन दिन की कार्रवाई में अब तक 150 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। साथ ही इनके पास 200 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति का पता चला है। इसमें 19 किलो सोना, 144 करोड़ के नकद लेनदन और सात बेनामी लग्जरी कारें शामिल हैं।

अब ईडी भी कर सकती है जांच

यह मामला टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, शराब, कंस्ट्रक्शन और बीड़ी के कारोबार से जुड़ा बताया जा रहा है। ऐसे में अब ईडी भी इस मामले में जांच कर सकती है। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम ने रविवार सुबह सागर में छापेमारी शुरू की थी। एक टीम पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले पर गई। दूसरी टीम ने पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी और उनके सहयागी राकेश छावड़ा के घर सर्चिंग शुरू की। दोनों भाजपा नेताओं के ठिकानें पर आईटी की टीमें 50 से ज्यादा गाड़ियों के साथ पहुंची थी। तीन दिन की जांच के बाद आईटी की टीम को करोड़ों की संपत्ति और लेनदेन का पता चला है। पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले से 14 किलो सोना और 3.8 करोड़ रुपये नकद मिले हैं। इसके अलावा उनके घर में तीन मगरमच्छ भी मिले हैं। राठौर परिवार इसका कोई हिसाब नहीं दे पाया। राठौर परिवार बीड़ी का बड़ा कारोबारी है और राजनीति में भी उनका अच्छा दबदबा है। हरवंश सिंह की राजेश केशरवानी के साथ कंस्ट्रक्शन के काम में साझेदारी है। इसी वजह से कळ की टीम उनके ठिकानों पर पहुंची।

140 करोड़ के लेनदेन की जानकारी

आईटी टीम को पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी के घर से 140 करोड़ से ज्यादा के नकद लेनदेन, 7 बेनामी लग्जरी कारें और लगभग 4.7 किलो सोना मिला है। जानकारी के अनुसार केशवानी के परिवार ने सोने और गहनों के दस्तावेज टीम को दिखा दिए, जिसके चलते सोना जब्त नहीं किया गया। इसके अलावा टीम ने केशवानी के करीबी और एलआईसी एजेंट राकेश छावड़ा के यहां भी छापा मारा। वहां से कुछ खास नहीं मिला। लेकिन, केशरवानी के यहां से जो फॉर्च्यूनर कार मिली, वह राकेश छावड़ा के नाम पर खरीदी गई थी। इसलिए वे भी कळ की जांच के दायरे में आ गए हैं। राठौर, केशरवानी और छावड़ा बिजनेस पार्टनर रहे हैं। केशरवानी परिवार के पास जो 7 लग्जरी कारें मिलीं, वे किसी और के नाम पर खरीदी गई थीं। ऐसा लगता है कि परिवार ने मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और कंस्ट्रक्शन के कारोबार से संपत्ति बनाई है। अभी दस्तावेजों की जांच चल रही है।

हरवंश का भाजपा जिला अध्यक्ष की दौड़ में नाम था शामिल

हरवंश सिंह राठौर सागर में भाजपा जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल थे। उनका नाम सबसे आगे बताया जा रहा था। राठौर परिवार शुरू से ही भाजपा से जुड़ा रहा है। हरवंश पहले दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसलिए उन्हें पार्टी की ओर से जिलाध्यक्ष बनाए जाने की पूरी संभावना थी। उनके पिता हरनाम सिंह राठौर उमा भारती सरकार में जेल मंत्री भी रह

राजधानी में सीने में चाकू घोंपकर सरेराह युवक की हत्या

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र में मंगलवार रात को सरेराह एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। वह गुटका फैक्ट्री में मजदूरी करता था। हत्या करने वाले दो सगे भाई हैं, दोनों मृतक के साथ ही फैक्ट्री में काम करते थे। पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है। आरोपियों का एक ठेकेदार से किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था, तभी युवक वहां पहुंच गया। उन्हें शक हुआ कि ठेकेदार ने युवक को लड़ाई के लिए बुलाया है। इस पर एक भाई ने पहले युवक के सीने पर चाकू मारा, उसके बाद दोनों ने उसकी लात-घूंसा से पिटाई कर दी। कुछ कदम चलने के बाद युवक गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाद में ठेकेदार और एक साथी युवक ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में जांच जारी है।

खाना खाने के बाद टहलने निकला था युवक

टीआई हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक 21 वर्षीय राहुल पाल, गूरा बरेला बदायूं का है। दो महीने पहले अपने गांव से भोपाल काम करने आया था। यहां सुभाष कॉलोनी में चचेरे भाई सुरजीत के साथ किराए से रहकर गुटका फैक्ट्री में मजदूरी करता था। मंगलवार रात को वह खाना खाकर अपने दोस्त आर्यन के साथ टहलने निकला था। कमरे के पास श्याम ठेकेदार से लोकेश व भूपेंद्र सूर्यवंशी के बीच विवाद हो रहा था। आरोपी लोकेश व भूपेंद्र ने राहुल को देखा तो उन्हें संदेह हुआ कि उसे ठेकेदार ने बुलाया है। इस पर नाराज होकर दोनों ने राहुल पर हमला कर दिया। आरोपी लोकेश ने चाकू से राहुल के सीने में वार किया, जिससे राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। आर्यन डर के कारण वहां से भाग गया और अपनी जान बचाई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

22 कदम चल कर गिरा राहुल

घटना के चश्मदीद आर्यन ने बताया कि लोकेश ने राहुल पर चाकू से हमला कर दिया, जिसे उसने सीने में घोंप दिया। राहुल जान बचाने के लिए 22 कदम तक भागा, लेकिन वह गिरकर बेहोश हो गया। घटना कर दोनों आरोपी मौके से भाग गए। राहुल को हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के समय दोनों आरोपी शराब के नशे में थे। पुलिस ने दोनों को उनके कमरे से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा

टीआई हेमंत श्रीवास्तव के अनुसार, पुलिस ने दोनों आरोपियों को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। अब पुलिस उन्हें बुधवार दोपहर बाद कोर्ट में पेश करेगी।

फिल्म 'जंगल सत्याग्रह' कांग्रेस-बीजेपी नेताओं को दिखाएंगे दिग्विजय

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह कांग्रेस और भाजपा के नेताओं को बैतूल के आदिवासियों के विद्रोह पर बनी फिल्म दिखाएंगे। 13 जनवरी को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में फिल्म 'जंगल सत्याग्रह' का प्रीमियर शो आयोजित किया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने इस शो के लिए कांग्रेस और भाजपा के विधायकों, सांसदों, पूर्व विधायकों और मंत्रियों समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को निमंत्रण भेजा है। दिग्विजय सिंह खुद सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस फिल्म के प्रीमियर शो में आने का निमंत्रण दिया। दिग्विजय सिंह के पीएस सचिन वत्स और मीडिया कोऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह परिहार ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को भी निमंत्रण भेजा। साथ ही, मोहन सरकार के मंत्रियों और बीजेपी विधायकों को भी निमंत्रण भेजा जा रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक बहुचर्चित आंदोलन 'जंगल सत्याग्रह' में बैतूल के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ 1930 में विद्रोह का बिगुल फूंका था। इस आंदोलन में आदिवासी नायक सरदार गंजन सिंह कोरकू, सरदार विष्णु सिंह गोंड, ठाकुर मोहकम सिंह, रामजी कोरकू और जुगरू गोंड द्वारा 1930 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल और जमीन के लिए किए गए संघर्ष को फिल्म में दिखाया गया है। इस सत्याग्रह पर आधारित फिल्म 'जंगल सत्याग्रह' का निर्माण बैतूल के स्थानीय कलाकारों ने किया है। इस फिल्म का प्रीमियर शो 13 जनवरी को विधानसभा के ऑडिटोरियम में रखा गया है। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री बीजेपी नेताओं के साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य सीनियर कांग्रेस नेताओं को भी फिल्म के प्रीमियर शो में शामिल होने का न्योता दिया है। कांग्रेस विधायकों समेत पूर्व विधायकों और पूर्व सांसदों को भी बुलावा भेजा जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को भी दिग्विजय सिंह ने कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। राज्यपाल मंगू भाई पटेल को भी वे निमंत्रण देने जाएंगे।

कमलनाथ ने नाराजगी की खबर को बताया निराधार, बोले- हम सब एक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पार्टी नेताओं से नाराजगी की खबर को निराधार करार दिया है। उन्होने कहा है कि पार्टी की मजबूती के लिए हम सब एक हैं। विवाद का कोई प्रश्न ही नहीं हैं। दरअसल कमलनाथ ने सोमवार को पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में नाराजगी जताई थी। उन्हें कहा था पार्टी में तवज्जो नहीं मिती है। इस पर पूर्व सीएम दिग्विज सिंह ने भी सहमती जताई थी। मामला मीडिया में आने के बाद बुधवार को कमलनाथ ने सफाई दी है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस की मजबूती के लिए और प्रदेश की व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए हम सब कांग्रेसजन एक हैं। विवाद का कोई प्रश्न नहीं है। पिछले दिनों हुई प्रदेश की राजनैतिक मामलों की समिति की बैठक को लेकर मीडिया में नाराजगी के जो कयास लगाए जा रहे हैं, वे निराधार हैं। कमलनाथ ने कहा था कि मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता। मीटिंग की सूचना भी नहीं दी जाती। कमलनाथ की इस बात का पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने भी समर्थन किया था। दरअसल महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम को मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की वर्चुअल मीटिंग हुई। जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत कमेटी के तमाम सदस्य जुड़े थे। इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने अपनी भढ़ास निकाली है। कमलनाथ ने कहा था कि आजकल ऐसा चल रहा है कि नियुक्तियों में मुझसे पूछा तक नहीं जाता। भले किसी के कहने से किसी की नियुक्ति हो न हो, लेकिन सीनियर्स से चर्चा करनी चाहिए। बैठकों की मुझे कोई सूचना नहीं दी जाती। अखबारों से पता चलता है कि कांग्रेस की बैठक थी।

सीएम बोले- 30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को आदर्श राज्य बनाएं। ऐसी कार्य-योजना बनाएं कि उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाए बगैर बिजली सब्सिडी का भार कम किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों विद्युत वितरण कंपनियां अपने क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य को गति दें। इससे होने वाले लाभों के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जले एवं खराब वितरण ट्रांसफार्मरों को समय-सीमा में बदला जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए सभी बिजली कंपनियों की संगठनात्मक संरचना (ओएस) का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जल्द ही इसे स्वीकृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सुनियोजित कार्य-योजना बनाएं। इसकी समय-सीमा तय होना चाहिए। इससे बिजली सब्सिडी में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराएं। ऊर्जा मंत्री ने संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ट्रांसफार्मर एवं बिजली लाइनों के मेंटेनेंस की कार्य-योजना बनाने और अवैध बस्तियों में रहने वाले लोगों को बिजली कनेक्शन देने की बात भी कही। बैठक में बताया गया कि आरडीएसएस योजना में 12 लाख 57 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 6 लाख 70 हजार 644, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 77 हजार 100 और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 5 लाख 9 हजार 338 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। बैठक में अटल गृह ज्योति, अटल किसान ज्योति योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए गए।

सरकारी कर्मचारियों को 31 जनवरी तक प्रॉपर्टी का ब्योरा देने का आदेश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने अपने सभी सरकारी कर्मचारियों से उनकी अचल संपत्ति का ब्यौरा 31 जनवरी तक जमा कराने को कहा है। यह प्रक्रिया हर साल की जाती है, जिसे 2010 से अनिवार्य किया गया है। कर्मचारियों को निर्धारित फॉर्मेट में अपनी संपत्ति की पूरी जानकारी देनी होगी, जिसमें उनके वर्तमान पद, सैलेरी और परिवार के नाम से संपत्तियों का विवरण शामिल होगा। साथ ही, यह जानकारी भी देनी होगी कि उक्त संपत्तियां स्वयं अर्जित की गई हैं या फिर पुश्तैनी हैं। अगर संपत्ति स्वयं अर्जित की तो इसके भुगतान का तरीका, खरीदी के समय और वर्तमान मूल्य की जानकारी भी प्रस्तुत करनी होगी। आदेश के अनुसार प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को हर साल अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य है। इस पहल की शुरूआत 2010 में हुई थी और यह सुनिश्चित किया गया है कि कर्मचारियों की संपत्ति पर पूरी पारदर्शिता बनी रहे।

तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव रघुराज एमआर की कार में 4 घंटे तक रहा सांप

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में मंत्रालय के वीबी-2 के बाहर बुधवार को हड़कंप मच गया। यहां तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग के सचिव रघुराज एमआर की कार में सांप दिखाई दिया। दरअसल, राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजभवन में विश्वविद्यालयों के कुलगुरु की बैठक बुलाई थी। इसमें शामिल होने के बाद सचिव रघुराज मंत्रालय पहुंचे थे, तब यह स्थिति बनी। मंत्रालय के गेट नंबर 9 के सामने खड़ी सचिव की सरकारी कार में सांप घुसने की जानकारी मिलने के बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने आनन-फानन में एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सांप को कार से निकाला। दरअसल, रघुराज एमआर के ड्राइवर ने गाड़ी को पार्किंग में ले जाने के पहले नजदीक ही खड़ा कर दिया था। इसी दौरान एक जहरीला सांप बोनट में घुस गया और करीब 4 घंटे तक गाड़ी में ही मौजूद रहा। कार में सांप घुसने की सूचना के बाद रघुराज एमआर लंच के लिए दूसरी गाड़ी से गए।

हुजूर तहसील में राजस्व से जुड़े केस पेंडिंग होने पर राजस्व मंत्री हुए नाराज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल की हुजूर तहसील में राजस्व से जुड़े केस पेंडिंग होने पर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा नाराज हो गए। उन्होंने तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी को फटकार लगा दी। उन्होंने जिले के अधिकारियों को हिदायत दी कि काम में लापरवाही की तो सस्पेंड कर दूंगा।

मंत्री वर्मा ने बुधवार को भोपाल जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की मीटिंग ली और राजस्व महा-अभियान 3.0 की समीक्षा की। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, जिपं सीईओ ऋतुराज सिंह समेत सभी एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौजूद थे। विधायक भगवान दास सबनानी और आतिफ अकील भी मीटिंग में पहुंचे। मंत्री वर्मा ने तहसीलवार समीक्षा की और पेंडिंग केस होने पर नाराजगी जताई। अभियान में जिले की रैंकिंग 21 है। जिसे सुधारने को कहा। अभी बुरहानपुर नंबर-1 पर है। कुछ मामलों में भोपाल की स्थिति बेहतर है, पर हुजूर तहसील में पेंडिंग केस की वजह से रैंकिंग का ओवरऑल आंकड़ा कम है। इस वजह से मंत्री वर्मा तहसीलदार पर नाराज दिखाई दिए। उन्होंने कहा, कलेक्टर के कहने पर छोड़ रहा हूं। आगे से ध्यान रखें और पेंडिंग केस निपटाए।

जिपं उपाध्यक्ष ने उठाया अवैध कॉलोनी का मुद्दा

मीटिंग लेने पहुंचे मंत्री वर्मा के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने अवैध कॉलोनियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि खामखेड़ा, अचारपुरा, जगदीशपुर, कलखेड़ी, अरवलिया, ईंटखेड़ी, गोलखेड़ी, बिनापुर, निपानिया जाट, देवलखेड़ी, पिपलिया बाज खां, इमलिया, रायपुर, रतुआ, धमारा, परवलिया सड़क समेत कई पंचायतों में अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। लेकिन सख्त कार्रवाई नहीं हो रही। इसके अलावा ईंटखेड़ी समेत कई गांवों में सरकारी स्कूल की जमीन पर अवैध कब्जा हो रहा है। इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए। मंत्री वर्मा ने कलेक्टर से कार्रवाई करने को कहा।

15 दिन बाद फिर से समीक्षा करूंगा

राजस्व मंत्री वर्मा ने जिले के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार को लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से न रोका जाए।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि कार्य में लापरवाही करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। भोपाल जिले को राजस्व प्रकरणों के निराकरण और राजस्व महा-अभियान में प्रदेश में नंबर एक पर लाना है। उन्होंने अधिकारियों से लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने और जनसेवा को प्राथमिकता देने की बात कही। मंत्री वर्मा ने कहा, 15 दिन बाद वे पुनः समीक्षा करेंगे।

सम्पादकीय

रायपुर स्मार्ट सिटीः अधूरे प्रोजेक्ट्स और बढ़ती समस्याएं

रायपुर, 08 जनवरी 2025

भारत सरकार ने 2015 में स्मार्ट सिटी मिशन शुरू किया था, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों को आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस करना था। इस योजना के तहत 100 शहरों को चुना गया, जिन्हें बेहतर बुनियादी ढांचा, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, सस्टेनेबल विकास और बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करनी थीं। रायपुर भी इसमें से एक था। रायपुर को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल किए जाने पर शहरवासियों को उम्मीद थी कि उनका शहर एक मॉडल सिटी बनेगा। लेकिन रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजना न केवल समय पर पूरी नहीं हुई, बल्कि बजट का बड़ा हिस्सा उन कामों पर खर्च हुआ जो पहले से ही नगर निगम और अन्य विभागों के अधीन थे।

स्मार्ट सिटी के नाम पर रायपुरवासियों को जो सुविधाएं मिलनी थीं, वो भी नहीं मिल पाईं। शहर में पार्किंग बड़ी समस्या बन चुकी है। सार्वजनिक और सरकारी जगहों पर वाहनों की बेतरतीब भीड़ है।पर 38 करोड़ रुपए से अधिक पार्किंग पर खर्च करने के बाद भी समस्या दूर नहीं हो सकी। बेतरतीब ट्रैफिक और अव्यवस्थित पार्किंग ने नागरिकों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। हालात ऐसे हैं कि 27 करोड़ रुपए की कलेक्टोरेट की मल्टीलेवल पार्किंग में आगजनी जैसे हादसों से बचाव तक का इंतजाम नहीं है।यहाँ न सिर्फ़ आगजनी बल्कि रेप जैसी वारदात हो चुकी है पर प्रशासन की इसके लिये तैयारियाँ अधूरी हैं। बाजारों को ?व्यवस्थित करने के लिए भी बनाए ये गई करोड़ों की परियोजनाएँ भी अधर में हैं और परेशानी दूर नहीं हुई । इस प्रकार स्मार्ट सिटी अपने उद्देश्य व नई सुविधाएं विकसित करने में कामयाब नहीं हो सकी। शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं जैसे ट्रैफिक प्रबंधन, स्मार्ट सिग्नल, और हरित क्षेत्र का विस्तार नहीं मिल सका। निर्धारित बजट के कुल खर्च का लगभग आधा हिस्सा ऐसे कार्यों पर लगाया गया जो नगर निगम के दायरे में आते थे। स्मार्ट सिटी के लिए निर्धारित बजट का इस्तेमाल नई सुविधाओं पर न होकर पुराने कार्यों को सुधारने में किया गया। अधूरी परियोजनाओं और योजना में ख़ामियों के चलते करोड़ों रुपयों का व्यय व्यर्थ चला गया। अधूरे प्रोजेक्ट्स और ओवरबजट के चलते लागत बहुत बढ़ जाने से शहर का विकास अवरुद्ध हो गया। राजनीतिक दबाव और ब्यूरोक्रेसी के बीच विवाद की स्थिति नहीं बने, स्मार्ट सिटी परियोजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक सलाहकार समिति बनाई गई थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इनकी बैठकें लगभग नहीं के बराबर हुईं । सलाहकार समिति में पहले जनप्रतिनिधियों को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में नहीं रखा गया। एमडी बदलने के साथ-साथ योजना में बार-बार बदलाव हुआ। हर बार एमडी के बदल जाने के बाद प्लान में भी बदलाव कर लिया गया। जब रजत बसंल एमडी रहे, उन्होंने मार्केट और ट्रैफिक पर फोकस किया। फिर शिव अनंत तायल ने बतौर एमडी व सीईओ रायपुर स्मार्ट सिटी को हेरिटेज और कल्चरल एक्टिविटी जैसे कामों पर ज्यादा ध्यान दिया। इससे पहले के काम पिछड़ते चले गए। इसके बाद सौरभ कुमार ने शिक्षा, तालाबों की सफाई जैसे प्रोजेक्ट चुने। बार बार दिशा व प्राथमिकता बदलने ने योजना की असफलता और विलम्ब में और इज़ाफ़ा किया। स्मार्ट सिटी योजना का उद्देश्य शहरों को आधुनिक और सुविधाजनक बनाना था। लेकिन रायपुर में यह योजना सही प्रबंधन और रणनीति की कमी के कारण अधूरी रह गई। अगर समय पर परियोजनाएं पूरी की जाएं और प्रशासनिक और राजनीतिक समन्वय बेहतर हो, तो रायपुर स्मार्ट सिटी का सपना साकार हो सकता है। आशा है कि आने वाले समय में शहर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। (राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

तिब्बत का भूकंप उत्तर भारत के लिए चेतावनी

नए साल के पहले ही सप्ताह तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में लगभग 7 परिमाण का भूचाल आता है और उसके भय के झटके उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों में महसूस किए जाते हैं। यह भूकंप उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों के लिए एक चेतावनी है। भूकंप का खौफ हिमालयी राज्यों में इसलिए ज्यादा है क्योंकि, भूकम्पीय संवेदनशीलता की दृष्टि से यह क्षेत्र जोन पांच और जोन चार में आता है, जिसे सर्वाधिक संवेदनशील माना जाता है।

नए साल के पहले ही सप्ताह तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में लगभग 7 परिमाण का भूचाल आता है और उसके भय के झटके उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों में महसूस किए जाते हैं। यह भूकंप उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों के लिए एक चेतावनी है। भूकंप का खौफ हिमालयी राज्यों में इसलिए ज्यादा है क्योंकि, भूकम्पीय संवेदनशीलता की दृष्टि से यह क्षेत्र जोन पांच और जोन चार में आता है, जिसे सर्वाधिक संवेदनशील माना जाता है। भूकंप वैज्ञानिक पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि नेपाल को छोड़ कर हिमालयी भारत में पिछले 100 साल से अधिक समय से 8 अंक परिमाण का बड़ा भूकंप नहीं आया, जिस कारण धरती के अंदर बहुत अधिक भूगर्वीय ऊर्जा जमा हो चुकी है जो कि किसी भी समय बहुत ही भयंकर भूकंप के साथ बाहर निकल सकती है। भूगर्वीय ऊर्जा का यह विस्फोट या भूचाल रिक्टर पैमाने पर 8 अंक या उससे अधिक परिमाण का हो सकता है जो कि बहुत ही विनाशकारी हो सकता है। चूंकि इसे रोका नहीं जा सकता, इसलिये सावधानी और सतर्कता और जागरूकता में ही सुरक्षा की गारंटी निहित है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर अगर नजर डालें तो उसमें अकेले 8 जनवरी के दिन सिक्किम में 2.8 से लेकर 4.9 परिमाण तक के 24 भूकंपो के रिकार्ड किए जाने का उल्लेख है। 7 जनवरी को भी इतने ही भूकंप सिक्किम में दर्ज हुए थे। इस साल पहली जनवरी से लेकर 8 जनवरी तक मणिपुर, हिमाचल प्रदेश के डोडा, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और गुजरात के कच्छ आदि में दर्जनों भूचाल दर्ज हो गए।

लोकसभा में 6 दिसम्बर 2023 को पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजजू द्वारा दिये गए एक वक्तव्य के अनुसार उत्तर भारत और नेपाल में आने वाले भूकंपों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है और इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोड़ा फॉल्ट का सक्रिय होना है। वैज्ञानिक पहले ही एमसीटी जैसे भ्रंशों के आसपास खतरे की चेतावनी देते रहते हैं। भारत का हिमालयी क्षेत्र सदैव अपनी भूगर्भीय रचना के कारण भूकंप से अत्यधिक प्रभावित रहा है और यहां के निवासियों को अकसर भूकंप के खतरों का सामना करना पड़ता है। विदित ही है कि हिमालयी क्षेत्र भौतिक दृष्टि से पृथ्वी की सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। हिमालय को सबसे युवा और नाजुक पहाड़ माना जाता है। यह क्षेत्र यूरेशियाई और भारतीय प्लेटों के बीच स्थित है, जहां दोनों प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं। यह टक्कर ही भूंकप के मुख्य कारणों में से एक है।

भूगर्भीय इतिहास के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप मूल रूप से एक द्वीप था जो लगभग 50 मिलियन वर्ष पहले एशिया के साथ टकराया और इस प्रक्रिया में हिमालय का निर्माण हुआ। इस टक्कर के कारण पृथ्वी की सतह पर तीव्र दबाव और तनाव उत्पन्न हुआ, जो अब भी भूकंपन का कारण बनता है। भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर निरंतर जारी है और इसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में भूगर्वीय ऊर्जा उत्पन्न होती है, जो अचानक भूकंप के रूप में पृथ्वी की सतह को हिलाती है।

हिमालयी क्षेत्र अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है, जहां भूमि की संरचना में लगातार परिवर्तन हो रहा है। भूकंप के झटके इन पहाड़ों की संरचना में उथल-पुथल पैदा करते हैं। पहाड़ी इलाकों में खनन, जलविद्युत परियोजनाओं, और अन्य निर्माण गतिविधियां भी भूकंपीय गतिविधियों को उत्तेजित कर सकती हैं। इन गतिविधियों से भूमि के भीतर दबाव बढ़ता है, जिससे भूकंप के झटके महसूस हो सकते हैं। उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्र में पिछले लगभग 100 वर्षों से अधिक समय से कोई बड़ा भूकंप (8.0 तीव्रता का) नहीं आया है। हिमालय क्षेत्र में आखिरी बार 8.0 तीव्रता का बड़ा भूकंप 1934 (नेपाल-बिहार भूकंप) और 1950 (असम भूकंप) में आया था। यह स्थिति सेस्मिक गैप कहलाती है।

भूविज्ञानियों के अनुसार इस गैप के कारण बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो रही है। इस ऊर्जा के लंबे समय तक रिलीज न होने से भविष्य में बड़े भूकंप की संभावना बढ़ गयी है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाय तो 1803 में गढ़वाल भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 7.5 से अधिक थी और इसने व्यापक तबाही मचाई थी। उसके बाद गढ़वाल में भयंकर अकाल पड़ा। इसके बाद 1905 में कांगड़ा भूकंप आया जिसकी तीव्रता 7.8, थी उसने भी हिमालय क्षेत्र में बड़ी तबाही मचाई। सन् 1950 के असम-तिब्बत भूकंप की तीव्रता 8.6, थी। यह हिमालय में दर्ज सबसे बड़ा भूकंप था, लेकिन उत्तराखंड इससे बचा रहा।

उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र लगभग 100 वर्षों से बड़े भूकंप से अछूते हैं, जिससे वैज्ञानिक मानते हैं कि इस ह्यह्यसेस्मिक गैपह्यह्य के कारण इतनी भूगर्वीय उर्जा संचित हो चुकी है कि जो एक साथ बाहर किल गयी तो कई परमाणु बमों से अधिक विध्वंशकारी हो सकती है। इसलिये भविष्य के खतरों को देखते हुए, भूकंप-रोधी तकनीकों का उपयोग और आपदा प्रबंधन की तैयारियां अत्यंत आवश्यक हैं।

हालांकि भूकंप एक प्राकृतिक घटना है जिसे रोका नहीं जा सकता। यही नहीं भूकंप का पूवार्नुमान करना फिलहाल संभव नहीं है। इससे बचने का सबसे बड़ा उपाय प्रकृति के साथ जीना सीखना ही है। भूकंप किसी को नहीं मारता है। मारने वाला हमारा घर या भवन होता है जिसे हम अपनी सुरक्षा और सुविधा के लिये बनाते हैं। अगर भवन का ढांचा भूकंप रोधी बने तो जानमाल का नुकसान कम किया जा सकता है। इसके लिये हमें जापान से सबक सीखना चाहिए।

भारत सरकार ने भारतीय मानक 1893 जैसे निर्माण मानकों को लागू किया है, जो भूकंप-रोधी संरचनाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा विभिन्न वैज्ञानिक शोधों के माध्यम से कुछ भूकंपीय गतिविधियों का पूवार्नुमान किया जा सकता है। इसके लिए उपग्रहों और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। भारत में भूकंपीय नेटवर्क को मजबूत करना और इससे जुड़ी चेतावनी प्रणालियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। भूकंप की स्थिति में नागरिकों को किस तरह से प्रतिक्रिया करनी चाहिए, यह जानना अत्यधिक आवश्यक है। स्कूलों, कार्यालयों और समुदायों में भूकंप सुरक्षा को लेकर नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास आयोजित करना चाहिए। इसके अलावा, भूकंप-रोधी किट्स जैसे पानी, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान को तैयार रखना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ाना चाहिए, ताकि भूकंप के दौरान इनका गिरना या क्षतिग्रस्त होना कम हो। साथ ही, पुराने ढाँचों की मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

बता दें कि चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा (यूएसजीएस) ने इसकी तीव्रता 7.1 बताई. क्षेत्रीय आपदा राहत मुख्यालय के अनुसार, भूकंप मंगलवार सुबह (बीजिंग समयनुसार) 9.05 बजे चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे में डिंगरी काउंटी में आया. इसका केंद्र शिगाजे शहर के डिंगरी काउंटी के सोगो कस्बे में था। शिगाजे पूर्वोत्तर नेपाल में खुम्बू हिमालय पर्वतमाला में लोबुत्से से 90 किमी. उत्तर-पूर्व में स्थित है, और यह तिब्बत का अंतिम सीमावर्ती शहर है, जो नेपाल-तिब्बत-भारत ट्राई-जंक्शन से अधिक दूर नहीं है। यह इलाका सिक्किम से मिलता है। शिगाजे को शिगास्ते के नाम से भी जाना जाता है जो भारत की सीमा के करीब है। शिगास्ते को तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक माना जाता है। यह पंचेन लामा की पारंपरिक पीठ है, जो तिब्बती बौद्ध धर्म के एक प्रमुख व्यक्ति हैं। तिब्बत में पंचेन लामा, आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के बाद दूसरे नंबर की हैसियत रखते हैं। सीईएनसी ने कहा कि भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किए गए जहां इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं. हालांकि, वहां कोई जनहानि नहीं हुई। बिहार में भी कई स्थानों पर भूकंप के झटके महूसस किए गए, लेकिन किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। सरकारी चीनी टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में दिख रहा है कि बच्चों सहित लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा रहा है और स्ट्रेचर पर लादकर चिकित्सा शिविरों में ले जाया जा रहा है। भूकंप का केंद्र डिंगरी काउंटी के त्सोगो कस्बे में था, जहां 20 किलोमीटर की परिधि में लगभग 6,900 लोगों की आबादी रहती है. इस क्षेत्र में 27 गांव हैं। डिंगरी काउंटी दक्षिणी तिब्बत में हिमालय की उत्तरी ढलान पर स्थित है। यह माउंट एवरेस्ट का उत्तरी आधार शिविर है, जिसे तिब्बत में माउंट कोमोलांगमा कहा जाता है, जो दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

प्रयागराज महाकुंभ में 45 दिन में पहुंचेंगे 40 करोड़ तीर्थयात्री

अद्भुत और भव्य महाकुंभ। 12 वर्ष के बाद आया प्रयागराज महाकुंभ। दुनिया का सबसे बड़ा मेला। धार्मिक ही नहीं, दुनिया में किसी भी तरह के आयोजन में इतनी ज्यादा संख्या में लोगों की भागीदारी नहीं होती। मेला नहीं, संगम किनारे जनसमंदर कहना ठीक होगा। गंगा के किनारे 10000 एकड़ में फैले क्षेत्र में अगले डेढ़ महीनों में इतने लोग आएंगे जितनी कि दुनिया के तमाम देशों की आबादी तक नहीं होगी। 2013 के महाकुंभ में करीब 12 करोड़ तीर्थयात्री आए थे। इस बार यह आंकड़ा भी पार हो सकता है। इस बार तो अनुमान है 40 करोड़ लोगों के आने का। साधुओं समेत 50 लाख तीर्थयात्री तो पूरे महाकुंभ के दौरान शिविरों में रहने की योजना बना रहे हैं। महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान हर दिन पैदा होने वाले कचरे का प्रबंधन और उसका ट्रीटमेंट अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए इसरो (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेश) से लेकर बार्क (भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर) जैसी एजेंसियां भी कमर कसकर मैदान में उतर चुकी हैं।

अंग्रेजी वेबसाइट इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस दौरान पैदा होने वाले कूड़े-कचरे के निस्तारण और ट्रीटमेंट के लिए इसरो और बार्क की तरफ से तैयार की गई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। मानव अपशिष्ट खासकर मल-मूत्र और खाना पकाने, बर्तन धोने वगैरह से पैदा हुए अपशिष्ट जल से निपटने के लिए अधिकारी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ की अगुआई वाली यूपी सरकार इस साल महाकुंभ मेले पर 7,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसमें से 1,600 करोड़ रुपये केवल पानी और वेस्ट मैनेजमेंट के लिए रखे गए हैं। इसमें से भी 316 करोड़ रुपये मेला क्षेत्र को खुले में शौच मुक्त (डऊऋ) बनाने पर खर्च किए जाएंगे, जिसमें टॉयलट और यूरिनल की स्थापना और उनकी निगरानी शामिल है। योगी सरकार ने महाकुंभ के बेहतर प्रबंधन के लिए मेला क्षेत्र को यूपी का 76वां जिला घोषित कर रखा है। मेला मैदान को 25 सेक्टरों में बांटा गया है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का स्नान है। अधिकारियों को उम्मीद है कि उस दिन महाकुंभ में करीब 50 लाख तीर्थयात्री आस्था की डुबकी लगाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन लोगों से हर दिन करीब 1.6 करोड़ लीटर मल और तकरीबन 24 करोड़ लीटर गंदा पानी पैदा होने की संभावना है।

मेला क्षेत्र में 1.45 लाख शौचालय बनाए गए हैं। इनके अस्थायी सेप्टिक टैंकों में इकट्ठा होने वाले कचरे और स्लज के ट्रीटमेंट के लिए फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए गए हैं। कचरे के ट्रीटमेंट के लिए आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कचरे के ट्रीटमेंट में हाइब्रिड ग्रेन्युलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तकनीक को बार्क और इसरो के साथ पार्टनरशिप में विकसित किया गया है। महाकुंभ में ड्यूटी कर रहे सभी पुलिसकर्मियों को हिंदुस्तान यूनिलीवर हाईजीन किट उपलब्ध कराएगा, ताकि पुलिस कर्मी ड्यूटी करने के साथ ही अपने स्वास्थ्य के देखभाल और सुरक्षा भी कर सकें। यूपी के जीएम विशाल शरीन और सीसीएम शिवानी खंडेलवाल मेला प्रशासन के अधिकारियों के आग्रह पर हाईजीन किट भेंट करने का आग्रह स्वीकार किया थी। इसी क्रम में हिंदुस्तान यूनीलिवर के आशीष रोहतगी, रितिका देशपाल, संतोष गुप्ता, रत्नेश सिंह, विनय मिश्रा, सुदीप कुमार, आदर्श वर्मा और प्रशांत चतुवेर्दी आदि ने एसएसपी मेला राजेश द्विवेदी और पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा से मुलाकात करके हाईजीन किट सौंपा। आगे भी जितनी किट की जरूरत होगी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रयागराज महाकुंभ नगर में संस्कृति और आध्यात्मिकता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित कर रहा है। 31 जनवरी को प्रयागराज में हरित महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें देशभर में 1000 से ज्यादा पर्यावरण और जल संरक्षण कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। शिक्षा संस्कृति उत्थान के 2081 के कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत यह कार्यक्रम प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस महाकुंभ के मुख्य संरक्षक हैं। हरित महाकुंभ के अंतर्गत प्रकृति, पर्यावरण, जल समेत स्वच्छता से संबंधित मसलों पर राष्ट्रीय स्तर की चर्चा होगी। चुनौतियों पर विशेषज्ञ अपनी राय और अनुभव का साझा करेंगे। इसके अतिरिक्त महाकुंभ में आ रहे लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और इस संबंध में चलाए जा रहे अभियान को लेकर भी चर्चा होगी। प्रयागराज में हरित महाकुंभ को लेकर तैयारी चल रही है। इसमें देशभर के पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता और विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। महाकुंभ में हिस्सा लेने आ रहे श्रद्धालुओं को किस तरह पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के अभियान से जोड़ा जाए, इस पर भी चर्चा और विमर्श किया जा रहा है। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को पूरा लिया गया है। आईजी आरपीएफ एएन सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तैयारियों की जानकारी दी। महाकुंभ की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए हर स्टेशन विशेष व्यवस्था होगी। अलीगढ़ आरपीएफ सहायक सुरक्षा आयुक्त गुलजार सिंह ने बताया कि आईजी ने पत्र जारी कर बताया कि महाकुंभ में 40 से 45 करोड़ श्रद्वालुओं के आने की सम्भावना है। जिसमें श्रद्धालुओं का बहुत बड़ा भाग रेल यात्रा के माध्यम प्रयागराज पहुंचेगा। आरपीएफ उमरे. महाकुम्भ- 2025 को सुरक्षित व सफल बनाने के लिए एकदम तैयार है। आरपीएफ के समक्ष महाकुम्भ के दौरान तीन बड़ी चुनौतियां सबोटेज, भगदड़ व आपदा (आगजनी, बम विस्फोट इत्यादि) प्रमुख हैं। महा आयोजन के दौरान बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा रेलवे टैज्क व टेज्नों के साथ तोड़ फोड़ की घटनाएं कर व्यवधान उत्पन्न करने की आशंका बहुत प्रबल है।

जिसके लिए आरपीएफ व आरपीएफ की विशेष कम्पनियों के लगभग 5000 जवानों को स्टेशनों व ट्रैक की सुरक्षा में लगाया गया है। प्रयागराज परिक्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर लगभग 1000 सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में एफआरएस से लैस कैमरों को लगाया गया है। उनमें हजारों अपराधियों के फोटो व डाटा को अपलोड किया गया है। ताकि कोई भी अपराधी स्टेशन पर प्रवेश करने से पूर्व ही पकड़ा जा सके। भगदड़ की स्थिति में स्टेशनों पर भीड़ बढ़ने की स्थिति में एक्सटरनल मूवमेन्ट प्लान के तहत श्रद्वालुओं को अलग-अलग स्थानों की ओर डायवर्ट करते हुए स्टेशन पर लाया जाएगा। सभी स्टेशनों पर फायर ब्रिगेड के साथ-साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमे तैनात की गई है। ऑनलाइन क्रॉन्फ्रेंस के दौरान कमांडेंट विजय प्रकाश पंडित, आरपीएफ आईपीएफ अलीगढ़ अमित सिंह जुड़े रहे।

बहुप्रतीक्षित महाकुंभ 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हो रहा। करोड़ों लोग इस 45 दिन चलने वाले महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में स्नान करेंगे। 12 साल के बाद लगने वाले इस महाकुंभ से बड़ी मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। जिसकी वजह से माना जा रहा है कि 40 करोड़ से अधिक लोग त्रिवेणी संगम में इस बार डुबकी लगाएंगे। सरकार की तरफ से भी इसको लेकर पूरी तैयारी की गई है। सड़क, रेल और हवाई जहाज के जरिए प्रयागराज आसानी से पहुंचा जा सकता है। इस महांकुभ को ध्यान में रखते हुए एविएशन कंपनियों ने भी कई जहाजों को प्रयागराज की तरफ मोड़ दिया है। जिसकी वजह से हवाई मार्ग से प्रयागराज पहुंचना पहले के मुकाबले इस बार सरल और आरामदायक रहेगा। डाटा के अनुसार बड़ी संख्या में हवाई जहाज प्रयागराज के लिए उड़ान भरेंगे। रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर में प्रयागराज एयरपोर्ट ने कुल 117 उड़ानों को संभाला था। जिसका आंकड़ा फरवरी की शुरूआत में लगभग डबल हो जाएगा। मौजूदा समय में स्पाइसजेट के प्लेन प्रयागराज के लिए उड़ान नहीं भरते हैं। लेकिन महाकुंभ की वजह से दिल्ली, जयपुर, अहदाबाद, मुंबई और बेंगलुरु से रोजाना एक-एक फ्लाइट के साथ साप्ताहिक 35 उड़ानें संचालित करेगी। 12 साल पहले प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में स्पाइसजेट ने अच्छा पैसा बनाया था। तब कंपनी डिमांड को देखते हुए किसी-किसी दिन 7 उड़ानें भी संचालित की थी। लेकिन आज की तुलना में 2014 से पहले की स्पाइसजेट में बहुत अंतर आ गया है।

एयरलाइन कंपनियों के लिए जनवरी से मार्च का महीना बहुत मुश्किलों भरा रहता था। इस महीने बोर्ड की परीक्षाओं का असर एविएशन सेक्टर पर भी पड़ता था। लेकिन महाकुंभ की वजह से एयलाइन कंपनियों को बड़ीं संभावनाएं दिख रही हैं। जिसे वो भुनाने की कोशिश में हैं। कुंभ नगरी प्रयागराज का एयरपोर्ट इंडियन एयर फोर्स की तरफ से नियंत्रित किया जाता है। पिछले 12 सालों में प्रयागराज एयरपोर्ट की क्षमता दोगुना हो चुकी है। महाकुंभ को देखते हुए सरकार की तरफ से भी प्रयागराज एयरपोर्ट में खूब निवेश किया गया है। देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। जिसकी वजह से एयरलाइन कंपनियां और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ा दी है।

इंडियन कौंसिल ऑफ़ प्रेस नारायणपुर (छत्तीसगढ़) शाखा ने दी दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ

नारायणपुर, इंडियन कौंसिल ऑफ़ प्रेस की नारायणपुर शाखा ने दिनांक 07 जनवरी को पत्रकार मुकेश चंद्राकर के दु:खद निधन पर एक शोक सभा का आयोजन रेस्ट हाउस, पुराने बस स्टैंड में किया गया। इस दुख के अवसर पर इंडियन काउंसिल ऑफ प्रेस के स्थानीय पदाधिकारी एवं स्थानीय पत्रकार गण गोपाल ठाकुर, बली आजाद, अनामिका सहारे, संतोष नूरेटी इत्यादि वहाँ उपस्थित थे। इन्होंने दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर के निर्भीक पत्रकारिता व सहज सुलभ व्यक्तित्व को याद किया और 2 मिनट का मौन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनका स्मरण करते हुए इंडियन कौंसिल के नारायणपुर ज़िलाध्यक्ष गणेश वैष्णव ने कहा कि इंडियन कौंसिल और पत्रकार जगत मुकेश चंद्राकर की शहादत को व्यर्थ नहीं जाने देगा। दोषी अपराधियों को मृत्युदंड दिलाने और पत्रकारों की सुरक्षा के लिये लगातार प्रयास करने को उनका संगठन पूरी शक्ति लगा देगा।

अखिल भारतीय जनजागृति सेना की बैठक में देवबंद वासियों को टोल टैक्स मुक्त करने समेत नगर की प्रमुख जन समस्याओं को उठाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, अखिल भारतीय जनजागृति सेना की बैठक में देवबंद नगर की प्रमुख जन समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें देवबंद वासियों को टोल टैक्स मुक्त करने की पुरजोर मांग उठाई गई। स्टेट हाइवे स्थित कार्यालय पर हुई संगठन की बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख ठा. सुरेंद्रपाल सिंह ने कहा कि सहारनपुर-मुजफ्फरनगर स्टेट हाइवे पर आबादी क्षेत्र में स्थित सर्विस रोड को मानकों के अनुरूप नहीं बनाया गया है, जिसके चलते उक्त संकरे व टेढ़े मार्ग पर हादसे होते रहते है। फ्लाईओवर और नीचे सर्विस रोड पर पथ प्रकाश व्यवस्था नहीं है। पुल के नीचे हर समय अतिक्रमण फैला रहता है। उन्होंने कहा कि हाइवे पर स्थित टोल प्लाजा पर देवबंद वासियों से भी पूरा टैक्स वसूला जाता है, जबकि टोल प्लाजा के 10 किमी. परिधि का क्षेत्र टोल फ्री होना चाहिए। मंडल प्रमुख अतुल चौधरी व जिला उपाध्यक्ष सरवर कुरैशी ने सर्विस रोड पर पिलर नंबर 24 स्थित सांपला मार्ग मोड़ पर खुले हुए नाले को भी कवर्ड कराने की मांग रखी। बैठक में कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का निराकरण नहीं होता है तो अब कार्यकर्ता सडक़ों पर उतरने का काम करेंगे। इस मौके पर तहसील प्रमुख विजय चौहान, राघव धीमान, अमर प्रताप, मलिक आदि मौजूद रहे।

उचित दर की रिक्त दुकानों के व्यवस्थापन में अनावश्यक देरी पर संबंधित के विरुद्ध होगी कड़ी कार्यवाही : डीएम मनीष बंसल

व्यवस्थापन में देरी पर संबंधित का वेतन रोकने के साथ दी जाएगी प्रतिकूल प्रविष्टि

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में रिक्त दुकानों के व्यवस्थापन एवं नियुक्तियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद की सभी राशन की उचित दर की रिक्त दुकानों का व्यवस्थापन निर्धारित समयानुसार सुनिश्चित कराया जाए। इसके लिए उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे खाली चल रही उचित दर की दुकानों पर यथाशीघ्र बैठक आयोजित कराई जाए। जहां बैठक आयोजित कराने के बाद प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए है, उन स्थानों पर दुबारा बैठक आयोजित कराई जाए। जहां कई बार बैठक कराने के उपरांत भी चयन नहीं हुआ वहां यथाशीघ्र लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही में विलंब न हो। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राशन कार्डो के सत्यापन शीघ्रता से करने के निर्देश बीडीओ को दिए। निलंबित चल रही दुकानों की बहाली व निरस्तीकरण की प्रक्रिया को भी यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने उपजिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन के कार्य को तेजी से करते हुए शीघ्रता से सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए। रोस्टर बनाकर चौपाल लगाते हुए सत्यापन करने के निर्देश दिए। घटतौली की शिकायत वाली दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी उपजिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षक को निर्देश दिए कि जनपद में सघन अभियान चलाकर अपात्रों को चिन्हित कर उनका राशन कार्ड निरस्त करते हुए तत्काल पात्रों को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जनपद में बनी सभी 75 मॉडल उचित दर की दुकानों को संचालित करने करने के निर्देश दिए।

उचित दर की दुकानों के व्यवस्थापन कार्यों में लापरवाही पर बीडीओ देवबंद, सप्लाई इंस्पेक्टर नकुड़ का वेतन रोकने सप्लाई इंस्पेक्टर रामपुर को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा, उप जिलाधिकारी नकुड़ संगीता राघव, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान युवराज सिंह, उप जिलाधिकारी देवबंद दीपक कुमार, उपायुक्त स्वत: रोजगार इन्द्रपाल सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार, डीपीआरओ आलोक कुमार सहित खंड विकास अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षक उपस्थित रहे।

गुरू गोबिंद सिंह महाराज के जीवन से प्रेरणा ले युवा : एसीजेएम परविंदर सिंह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, गुरूद्वारा श्री गुरु नानक सभा में गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सेवादारों व अतिथियों को सम्मानित किया गया। गुरूद्वारा साहिब के दशमेश हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संगत को सम्बोधित करते हुए एसीजेएम देवबंद सरदार परविंदर सिंह ने कहा कि आज की पीढ़ी को गुरू गोबिंद सिंह महाराज के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने देश व धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए अपने पिता, परिवार व स्वयं को कुर्बान कर दिया। गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार व सचिव गुरजोत सिंह सेठी ने संगत को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए प्रभातफेरियों व लंगर में सहयोग देने वाली संगत का आभार व्यक्त किया। गुरूद्वारा कमेटी की ओर से एसीजेएम परविंदर सिंह व सर्व यूपी ग्रामीण बैंक के मैनेजर गौरव कुमार को गुरू महाराज की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया। लंगर में सेवा देने वाले विवेक गुप्ता को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कीर्तन उपरांत गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। इस दौरान सचिन छाबड़ा, श्याम लाल भारती, बालेंद्र सिंह, अवनीश भारती, गुरविंदर सिंह छाबड़ा, बलदीप सिंह, सुमित सिंह उप्पल,अजय मदान, हरविंदर सिंह बेदी, चंद्रदीप सिंह, हर्ष भारती, प्रिंस कपूर, चन्नी बेदी, कमलदीप सिंह, गगनदीप सिंह, राजीव कक्कड आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने 27 की तैयारियों से पहले ही पिछड़ों की लामबंदी शुरू की

सुरेंद्र सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, हाल के लोकसभा चुनावों में करीर शिकस्त झेल चुकी भाजपा 2027 के विधान सभा चुनावों को लेकर बहुत फिक्रमंद दिख रही है। पश्चिम के सहारनपुर मंडल की सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और कैराना तीनों सीटें कांग्रेस-सपा गठबंधन को मिली थी। विधान सभा चुनावों में अपनी सफलता सुनिश्चित करने की गरज से अभी से भाजपा ने अपने विश्वसनीय पिछड़ा वर्ग वोट बैंक को साधने का काम शुरू कर दिया है। राज्यमंत्री और सहारनपुर के प्रमुख सैनी बिरादरी के नेता जसवंत सैनी के आह्वान पर रविवार को रामपुर मनिहारान में जुटी पिछड़ी जातियों की भीड़ इस ओर इशारा कर रही हैं कि उनकी लामबंदी भाजपा की राह को आसान कर सकती है। सहारनपुर में भाजपा के पास वर्तमान में सैनी बिरादरी के चार बड़े नेता राज्यमंत्री जसवंत सैनी, पूर्व काबिना मंत्री डा. धर्म सिंह सैनी, साहब सिंह सैनी एवं पूर्व विधायक नरेश सैनी मौजूद हैं। यह अलग बात है कि सभी नेता अलग- अलग खेमों में बंटे हुए हैं लेकिन रविवार को सभा में मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिरादरी के साथ-साथ पिछड़ी जातियों को मतभेद भुलाकर मार्मिक अपील की और उनकी मौजूदगी का ही नतीजा था कि जिले के सभी प्रमुख सैनी नेताओं ने उनके साथ मंच साझा किया। सहारनपुर मंडल में मुस्लिमों और दलित बिरादरियों का वर्चस्व है। जाट बिरादरी का रूझान ढुलमुल है और लोकसभा चुनावों के दौरान राजपूतों की नाराजगी भी सामने आई थी। जिसके नतीजे में भाजपा को अपने मजबूत गढ़ों में भी हार का सामना करना पड़ रहा है। नायब सिंह सैनी पश्चिम के लोगों को यह भरोसा देकर गए हैं कि वह विधान सभा चुनावों के दौरान अपना भरपूर योगदान देंगे। उन्होंने यहां के लोगों द्वारा हरियाणा विधान सभा चुनावों के दौरान की गई मदद का भी आभार जताया। इस कारण हरियाणा में तीसरी बार भाजपा को सत्ता मिली और उन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

समाज सेवी राकेश सिंह (बबलू)ने सैकड़ों गरीबों को कंबल भेटकर की मदद!

राज्यमंत्री प्रतिमा बाग़री के मुख्यातिथि मे समाजसेवी ने किया कम्बल बितरण कार्यक्रम

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, जिले के कोठी अंतर्गत ग्राम पवैया में समाज सेवी सोहावल ब्लॉक की ग्राम पंचायत पवैया सरपंच पति राकेश सिंह (बबलू)ने सैकड़ों गरीबों को कंबल बित्रित कर मदद की है मदद पाने वालो मे बुजुर्ग व माताए गरीब जनो ने समाजसेवी को दुआएं दी । समाजसेवी राकेश सिंह ने बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को नववर्ष मे तोहफा दिया है। पवैया गांव मे आयोजित कम्बल बितरण कार्यक्रम में करीब 400 जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव हेतु कंबल वितरित किए गए। जरूरतमंदो कम्बल मिल सके। इसी दौरान समाजसेवी राकेश सिंह ने कहा कि वह कई वर्षों से समाज सेवा का यह कार्य करते चले आ रहे हैं। वह हमेशा ही गरीब असहाय जरूरतमंद लोगों के लिए तत्पर हैं ऐसे कार्यक्रमों का चुनाव से कोई सरोकार नहीं है। कंबल वितरण का कार्य हो अथवा चाहे त्योहारों पर मिष्ठान वितरण का कार्य वह इसलिए करते हैं। क्योंकि उन्हें यह सब करने की प्रेरणा पिताजी से मिली है। जब तक ईश्वर की कृपा व बुजुर्गो का आशीर्वाद रहेगा इस तरह के कार्य को निरंतर करते रहेंगे। गांव सहित क्षेत्र की जनता उनके लिए परिवार के समान है और सर्दी के समय में परिवार के हर जरूरतमंद व्यक्ति को कम से कम कंबल दे पा रहे हैं। इसके लिए वह ईश्वर का धन्यवाद देते हैं। कार्यक्रम में मुख्यतिथि राज्यमंत्री प्रतिमा बाग़री, विशिष्ट अतिथि योगेश ताम्रकार (महापौर सतना), अध्यक्षता आरती चौधरी (जिला पंचायत सदस्य), तहसीलदार कोठी कमलेश सिंह भदौरिया, कोठी पूर्व मण्डल अध्यक्ष यशवंत पांडेय,सरपंच पवैया सुनीता बबलू सिंह, भूपेंद्र सिंह, राजा सिंह, भूपेश पांडेय, मुकेश अग्रवाल, टिंकू गुप्ता, कल्लू चौरसिया, उमेश सिंह पप्पू, कमल सिंह, रघुवेद्र सिंह उपस्थित रहे!

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल कोतमा में आयोजित हुआ कार्यक्रम

ट्रैफिक प्रभारी एवं जिला परिवहन अधिकारी द्वारा बच्चों को बताए गए यातायात के नियम

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने हेतु 1 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह थीम परवाह*पर विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत आज यातायात प्रभारी ज्योति दुबे एवं जिला परिवहन अधिकारी श्री सुरेंद्र सिंह गौतम ने ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल कोतमा में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चो को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा बच्चो को ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन ,रोड मार्किंग , सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति एवं कारण, सड़क पर पैदल चलते समय सावधानियां ,राइट ऑफ वे, गुड सेमोरिटन योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना, लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आदि के विषय में विस्तार से बताया गया। बच्चों ने ट्रैफिक रूल्स के विषय में विभिन्न प्रश्न पूछे जिसका प्रति उत्तर ट्रैफिक प्रभारी द्वारा दिया गया । कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी श्री सुरेंद्र सिंह गौतम ने बच्चों को बताया कि सड़क पर चलने की संस्कृति का पालन करे ,हमें अपनी सुरक्षा का ध्यान खुद रखना चाहिए वाहन चलाते समय सतर्कता पूर्वक ट्रैफिक रूल्स का पालन करते हुए वाहन चलाए। कार्यक्रम में लगभग 300 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। विद्यालय के प्रिंसिपल एवं अन्य स्टाफ, थाना यातायात से प्रधान आरक्षक रामधनी तिवारी आरक्षक गणेश यादव भी कार्यक्रम उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने किया बड़वारा का दौरा शिक्षा व्यवस्था पर दिया जोर

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं कटनी जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को बड़वारा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली और कृषि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए गए। मंत्री सिंह ने कहा कि बड़वारा में यह पहली बार है जब ब्लॉक स्तर पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। इस तरह की बैठकों से जनता को कई तरह के फायदे मिलेंगे और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने में मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश और कटनी जिले में वर्ष 2023 और 24 के सत्र में एमपी बोर्ड के खराब परीक्षा परिणाम पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बेहतर शिक्षकों की एक टीम को सिंगापुर में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है और जल्द ही प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में एक नया बदलाव देखने को मिलेगा।

तीन दिवसीय अमरकंटक नर्मदा जयंती महोत्सव के कार्यक्रम स्थलों का कलेक्टर ने लिया जायज

आयोजन को भव्य बनाने कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मां नर्मदा की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा जयंती महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन को व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के दृष्टिकोण से कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आयोजन के संबंध में प्रीबिड मीटिंग तथा कार्यक्रम के प्रस्तावित स्थलों का जायजा लिया गया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा तहसीलदार श्री गौरी शंकर शर्मा नायब तहसीलदार श्री कौशलेंद्र मिश्र जिपं के लेखा अधिकारी श्री संतोष करचाम सहित नगरीय निकाय, वन तथा पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। नर्मदा जयंती महोत्सव के परिपेक्ष्य में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने रामघाट के उत्तर एवं दक्षिण तट, मेकल पार्क, मां नर्मदा मंदिर परिसर, सर्किट हाउस के पीछे स्थित मेला ग्राउंड, शंभू धारा के स्थलों का भ्रमण कर नर्मदा जयंती कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध मे मौका भ्रमण करते हुए व्यवस्थाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। कलेक्टर ने तीन दिवसीय नर्मदा जयंती महोत्सव कार्यक्रम को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए संपूर्ण क्षेत्र में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नर्मदा महा आरती, शोभायात्रा, योग ट्रैकिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइट एंड साउंड शो, फूड एंड हैंडीक्राफ्ट स्टॉल, साफ सफाई, पार्किंग लाइटिंग, रंग रोगन, सजावट आदि के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश संबंधितों को दिए।

विद्यार्थियों को बुनियादी साक्षरता और उनको संख्याओं का ज्ञान ठीक से हो यह सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एकः कलेक्टर

माता-पिता सहित समुदाय के लोग मेला मे जरूर आयें ताकि बच्चों का उत्साहवर्धन हो सके

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में एक बहुत महत्वपूर्ण कम्पोनेन्ट है, प्रारंभिक शिक्षा, यानी कक्षा एक से लेकर के कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों को बुनियादी साक्षरता और उनको संख्याओं का ज्ञान ठीक से हो, यह सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओ में से एक है, इसको भारत सरकार द्वारा निपुण भारत अभियान का नाम दिया गया है, निपुण भारत का मतलब यह है कि हमारे जो बच्चे प्राइमरी एजुकेशन ले रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा ले रहे हैं, उनका संख्यात्मक ज्ञान यानी संख्याओं को पहचानने की समझ और इसके अलावा उनकी बुनियादी साक्षरता यानी बुनियादी अक्षरों को पहचानने की समझ अच्छे से विकसित हो सके।
कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा निपुण भारत अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश में इसको मिशन अंकुर के नाम से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा मिशन अंकुर अभियान के अंतर्गत हमारे यहां 11 जनवरी को एक एफएलएन मेला लगाया जा रहा है, यानी बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान का एक बड़ा मेला स्कूल लेवल पर लगाया जाएगा और इस मेले में हमने सभी को आमंत्रित किया है, बच्चे तो आएँगे ही, साथ में उनके पेरेंट्स, टीचर्स और समुदाय के लोग यानी गांव और वार्ड के लोग भी उसमें शामिल होंगे। यहाँ पर अलग-अलग तरह मेले जैसा माहौल होगा जिसमें बच्चों के बौद्धिक विकास, बच्चों के मानसिक विकास, बच्चों के संख्यात्मक विकास, इनसे जुड़ी हुई अलग-अलग छोटी-छोटी प्रतियोगिताएं और छोटे-छोटे स्टॉल लगाए जाएंगे। जहाँ पर आकर बच्चे खेल-खेल में पढ़ाई-लिखाई को और बेहतर तरीके से अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
कलेक्टर ने सभी से आग्रह करते हुये कहा 11 जनवरी को जो एफ़ एल एन मेला स्कूलों में लगाया जाएगा उसमें ना केवल बच्चों को अनिवार्य रूप से भेजें बल्कि उनके माता पिता और समुदाय के लोग भी जरूर जाएं, ताकि बच्चों का उत्साहवर्धन हो और मिशन अंकुर का जो लक्ष्य है, निपुण भारत का जो लक्ष्य है उस लक्ष्य को पूरा करने में सफल हो सकें।

महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज जिला युवा कार्यकारिणी का हुआ मनोनयन

पंकज कुर्वे मनोनीत हुए जिला युवा कार्यकारणी के नए अध्यक्ष

लंकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ *लालबर्रा, महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज जिला कार्यकारिणी बालाघाट की बैठक रविवार 29 दिसंबर को भटेरा रोड स्थित संत श्री नरहरि महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार सामाजिक भवन में आयोजित हुई जिसमें सामाजिक चर्चा के बाद सर्वसम्मति के साथ सामाजिक हित के कार्यों में हमेशा अपनी भूमिका प्रस्तुत करने वाले सामाजिक युवाओं को चयनित कर नवीन जिला युवा कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। नवनियुक्त कार्यकारिणी के सचिव चैतन्य ढोमणे ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित बैठक के दौरान महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज बालाघाट जिला युवा कार्यकारिणी के अध्यक्ष पंकज कुर्वे, उपाध्यक्ष रोहित फाये, उपाध्यक्ष रूपल घुले, सचिव चैतन्य ढोमणे, सहसचिव लोकेश फाये, सह सचिव, पुनीत बांगरे, कोषाध्यक्ष, नितिन निनावे, सह कोषाध्यक्ष ललित कुर्वे, युवा प्रवक्ता रंजीत हाड़गे, तीन संगठन मंत्री शुभम भरने, विक्रांत वाडेकर, शैलेश घुले तथा मीडिया प्रभारी जितेंद्र टेटे, सोशल मीडिया प्रभारी वैभव यरपुड़े को बनाया गया है।*

रायपुर में होगा 'लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग' का धमाका

8 फ़रवरी से 18 फरवरी तक चलेगा आयोजन

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक बार फिर से क्रिकेट का जुनून चरम पर होगा। आगामी 8 से 18 फरवरी 2025 तक यहां 'लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वभर के कई दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। इस टूर्नामेंट में क्रिस गेल, हरभजन सिंह, डेविड वॉर्नर, युवराज सिंह, डवेन ब्रावो, शिखर धवन, यूसुफ पठान, सुरेश रैना जैसे नामी खिलाड़ी चौके-छक्कों की बरसात करेंगे।
'लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग' का पिछला सीज़न बेहद रोमांचक रहा था। टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें शामिल थीं, और फाइनल मुकाबला इंडिया लेजेंड्स और वेस्टइंडीज लेजेंड्स के बीच खेला गया था। भारत ने युवराज सिंह और यूसुफ पठान की शानदार पारियों के दम पर जीत दर्ज की थी। युवराज सिंह ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 325 रन बनाए थे, जबकि डवेन ब्रावो ने 15 विकेटलेकर अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था।
रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भारत के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में से एक है। यह स्टेडियम करीब 50,000 दर्शकों को समायोजित कर सकता है। इस स्टेडियम ने कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है, जिसमें आईपीएल 2013 के कुछ मैच और रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ भी शामिल हैं। यहां खेले गए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ में इंडिया लेजेंड्स ने खिताबी जीत हासिल की थी। युवराज सिंह ने अपने धुआंधार प्रदर्शन से स्टेडियम को यादगार बना दिया था।
इस बार का 'लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग' पहले से अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है। सभी मैच टी20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जहां हर टीम 90 मिनट में अपने 20 ओवर पूरे करेगी। इस लीग का उद्देश्य न केवल क्रिकेट का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है।
इस टूर्नामेंट के लिए टिकटों की बिक्री जल्द ही ऑनलाइन शुरू होगी। क्रिकेट प्रेमी इसे स्टार स्पोर्ट्स और डिज़्नी+ हॉटस्टारपर लाइव देख सकेंगे। रायपुर न केवल एक खेल गंतव्य के रूप में उभर रहा है, बल्कि यहां के दर्शक क्रिकेट को लेकर बेहद उत्साही हैं। इस तरह के आयोजनों से स्थानीय खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।
'लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग' रायपुर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होगा। दिग्गजों की धमाकेदार पारी और रोमांचक मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए तैयार हो जाइए।

रायपुर में इस बार महिला होगी मेयर

बीजेपी से मीनल चौबे संभावित उम्मीदवार

राजीव खरे । सिटी चीफ
रायपुर, रायपुर नगर निगम में इस बार मेयर पद के लिए महिला उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ओर से मीनल चौबे का नाम संभावित उम्मीदवार के रूप में सामने आ रहा है। मीनल चौबे रायपुर में एक प्रभावशाली महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं और पार्टी के लिए एक मजबूत चेहरा साबित हो सकती हैं। रायपुर नगर निगम छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का शहरी प्रशासनिक निकाय है। इसकी स्थापना 1867 में हुई थी। यह निगम रायपुर की आधारभूत संरचना, स्वच्छता, जल आपूर्ति, और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे विषयों की जिम्मेदारी संभालता है। नगर निगम क्षेत्र 70 वार्डों में विभाजित है, और हर पांच साल में चुनाव आयोजित किए जाते हैं। चुनाव प्रक्रिया को लेकर इस बार संभवतः बैलेट पेपर का उपयोग किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने नगर निगम चुनावों में ईवीएम की जगह पारंपरिक बैलेट पेपर को प्राथमिकता दी है। अगर रायपुर नगर निगम के पिछले चुनावों की बात करें तो पिछले चुनावों में कांग्रेस का दबदबा रहा है । 2019 के चुनाव में कांग्रेस के एजाज ढेबर मेयर बने, जिन्होंने बीजेपी को हराकर सत्ता हासिल की। 2014 के चुनाव में कांग्रेस के प्रमोद दुबे ने जीत दर्ज की थी। तथा 2009 के चुनाव में भी कांग्रेस का ही दबदबा रहा था।हालाँकि पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली है। रायपुर का मेयर चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से अहम माना जाता है, क्योंकि यह शहर पूरे राज्य की राजनीति का केंद्र है। महिला आरक्षण के तहत इस बार मेयर पद पर महिला का चयन होना रायपुर के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई दिशा को दर्शाता है। यदि बीजेपी मीनल चौबे को उम्मीदवार घोषित करती है, तो इससे पार्टी महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक सशक्त संदेश दे सकती है। वैसे आने वाले दिनों में उम्मीदवारों की घोषणा और चुनाव प्रचार रायपुर के नागरिकों के बीच उत्साह और चर्चा का केंद्र बनेगा।

नगर परिषद डूमर कछार के मंडलम कांग्रेस कमेटी के द्वारा कांग्रेस के संगठन की मजबूती और एकजुटता के लिए वन भोज एवं मित्र मिलन समारोह किया गया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर नगर परिषद डूमर कछार में मंडलम कांग्रेस कमेटी ने अदभुत मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधिगण, महामंत्री जगदीश पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष पुल्लू दुबे ,समस्त मंडलम अध्यक्ष राहुल सिंह, नरोत्तम अहिरवार राजू श्रीवास्तव और वरिष्ठ कांग्रेसीजन राम नारायण सिंह, गिरिजेश श्रीवास्तव,देवाशीष सिन्हा, डॉक्टर अशोक जेठानी तथा महिला प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा सिंह जिला सचिव कमल वस्त्रकार अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेतागढ़ तथा सेवा दल के जॉइंट सेक्रेटरी एवं रीवा के प्रभारी इमरान अंसारी एवं सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता सभी सपरिवार सम्मिलित हुए एवं मिलन समारोह के साथ साथ प्रकृति की गोद में भोजन का आनंद भी लिया एवं जन विकास के कार्यों के विषय पर चर्चा भी हुई एवं कई जन मानस के हित में किए जाने वाले कार्यों पर सभी की सहमति भी बनी कांग्रेस की एकजुटता एवं मजबूती के लिए ये एक अहम कदम कांग्रेस कमेटी द्वारा उठाया गया।

जन जन का रखें ध्यान, टीवी मुक्त भारत अभियान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, माननीय प्रधानमंत्री के आवाहन के बाद से देश से टीवी (छह)के मरीजों को ठीक करने एवं देश से टीवी की बीमारी को 2025 तक मुक्त करने के उद्देश्य से चंडी माता बीड़ी गृह उद्योग में लगाया गया!
जिसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर विक्रांत सिंह चौहान जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ गौरव जैन जिला छह रोग अधिकारी, डॉ मनीष संगतानी, देवेंद्र चौबे जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ, संदीप सोनवानी मैनेजर बिडि ग्रह उद्योग के निर्देशन में कैंप का शुभारंभ हुआ सभी मजदूर वर्ग के लोगों का पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से एक्स-रे भी किया गया जिसमें निशुल्क दवा निशुल्क उपचार किया गया
चेतन अग्रवाल ट्रीटमेंट पर्यवेक्षक, भूषण पटेल पर्यवेक्षक विनोद अहिरवार, लॉरेंस राय, राहुल कश्यप एक्स-रे विशेषज्ञ विशेष सहयोग रहा भारी संख्या में बीड़ी कामगारों का निशुल्क उपचार निशुल्क दवा , शिविरके माध्यम से दिया गया।

भाजापा जिला अध्यक्ष पद पर प्रेम चंद यादव उर्फ राजू भैया लगभग तय

घोषणा महज औपचारिकता सूत्रों के अनुसार बड़ी खबर

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर जिले में अध्यक्ष पद के विशेष तौर पर जितेंद्र सोनी हीरा सिंह श्याम एवं प्रेम चंद यादव का नाम आ रहा था सूत्रों के अनुसार इसमें प्रेम चंद यादव ने बाजी मार ली है प्रेम चंद यादव मंत्री दिलीप जायसवाल के करीबी एव भा जा पा के पुराने कार्यकर्ता है जो कि रामनगर डोला के निवासी है सूत्रों के अनुसार अब नाम की घोषणा महज औपचारिकता है प्रेमचन्द यादव का नाम जिला अध्यक्ष के लिए तय है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध किया प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

आदेश का उल्लंघन,चूक करने पर दोषी व्यक्ति, समूहों के विरूद्ध अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत होगी वैधानिक कार्यवाही

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, सोशल मीडिया एवं अन्य जनसामान्य द्वारा यह तथ्य ध्यान में लाया गया है कि सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर आदि के माध्यम से असामाजिक तत्वों के कई समूहों द्वारा सामाजिक तानेबाने को तोड़ने व विभिन्न समुदायों के मध्य संघर्ष/वैमनस्यता की स्थिति निर्मित करने हेतु सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्मों पर तरह-तरह के आपत्तिजनक संदेश जैसे चित्रों व वीडियो एवं ऑडियो मैसेज आदि का प्रसारण किया जा सकता है तथा इस प्रकार के प्रसारण से कई बार लोगो को एक स्थान पर एकत्रित होने एवं एक समुदाय के विरुद्ध वातावरण निर्मित करने जैसे संदेशों का प्रसारण किया जाता है। इससे जिले के सामुदायिक सद्भाव एवं शांति व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थितियां निर्मित हो सकती है। इन संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए जान-माल की सुरक्षा एवं लोक परिशांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने, सार्वजनिक एवं निजी लोक संपत्ति के सुरक्षार्थ एवं आम जनमानस की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये सोशल मीडिया पर इस प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालो के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया जाना आवश्यक मानते हुये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत संपूर्ण दमोह जिले की भौगोलिक सीमाओं में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा और यदि इस आदेश को विखंडित न किया जाये तो जारी तिथि से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन/चूक करने पर दोषी व्यक्ति/समूहों के विरूद्ध अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

जारी आदेश में कहा गया है दमोह जिला अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे-फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत, क्षेत्रीय, भाषागत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेश जैसे चित्रों व वीडियो एवं ऑडियो मैसेज आदि का प्रसारण नहीं करेगा।

जिले अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है उसे प्रसारित नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके।

जिले अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्मों के माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा।

यह आदेश सर्व साधारण को सम्बोधित है और चूकि यह आदेश जन सामान्य के जान-माल की सुरक्षा तथा भविष्य में लोकशांति भंग होने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया जा रहा है इसकी तामीली प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यक रूपेण कराया जाना एवं सुनवाई किया जाना संभव नही है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के अंतर्गत एक पक्षीय पारित

अभियान की सार्थकता यह मेरा उद्देश्य कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

पुलिस अधीक्षक के साथ मीडियाजनों से की चर्चा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कोई भी चीज कलेक्टर केन्द्रित नहीं बनाएं, जब तक वह समाज केन्द्रित नहीं होगी यह समाज नहीं बदल पाएगा। कलेक्टर के जाने के बाद यदि यह चीजे बंद हो गई तो उससे असफल और खराब बात कुछ नहीं है, इसका मतलब यह है कि कलेक्टर ने अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए अभियान चलाया यह, मेरी महत्वाकांक्षा नहीं है इसलिए मैं सभी से कहता हूं कि आपको लगता है यह कलेक्टर का अभियान है, तो इसे तुरंत बंद कर दीजिए, जब यह जनता का अभियान होगा और कलेक्टर पीछे खड़ा होगा तभी इस अभियान की सार्थकता है, यह मेरा उद्देश्य है, हमारे जाने के बाद भी यह चीजें चलनी चाहिए। यह बात आज सर्किट हाऊस पर आयोजित प्रेस वार्ता सहभोज कार्यक्रम में मीडियाजनों से चर्चा के दौरान कही।

आप सभी 24 घंटे काम करने वाले लोग हैं, आपके परिवार के लोगों के आयुष्मान कार्ड बने या नहीं बने, बच्चों को छात्रवृत्ति मिल रही है या नहीं मिल रही है, आपको सरकार की पत्रकार बीमा योजनाओं का लाभ मिलता है या नहीं मिलता है, इसकी चिंता हमें करनी पड़ेगी। इस बार यदि हम कोई शिविर लगा सके जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, योजनाओं का लाभ, आपके बच्चों और परिवार जनों को मिल सके, क्योंकि पत्रकार 24 घंटे काम करने वाले लोग हैं, आप अपने परिवार को समय नहीं दे पाते हैं, आप 24 घंटे अपने काम में लगे हुए है, इसकी चिंता प्रशासन को करनी चाहिए आप सभी के लिए कलेक्ट्रेट में एक्सक्लूसिव शिविर लगाना चाहेंगे।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा पुलिस से अलग-अलग व्यक्ति की अपेक्षाएं अलग-अलग होती है, हमारा प्रयास यही रहता है कि किसी भी एफ.आई.आर. या किसी भी मामले में जो इमेज प्रोजेक्ट हो रही है, वह न्याय की ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा यदि कोई गंभीर सूचना आ रही है तो एक बार किसी जिम्मेदार अधिकारी से तस्दीक करा ले तभी उस चीज को व्हाट्सएप ग्रुप या अपने अन्य माध्यमों पर चलाएं क्योंकि यदि एक बार खबर चल जाती है, तो हम उस पर कितनी भी कार्रवाई कर ले वह सारी चीज उसके बाद होती है, उसकी जो प्रारंभिक रूप से सूचना चली जाती है, उसको बदल पाना बहुत मुश्किल होता है। इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी वाई.ए. कुरैशी ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जो पत्रकारों के हित में है, के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शासकीय हाई स्कूल लसुड़िया राठौर में करीब 250 स्कुली बच्चों को किये निशुल्क स्वेटर वितरित

पिपलिया मंडी शासकीय हाई स्कूल लसुड़िया राठौर में आज दिनांक 7 जनवरी 2025 को दान दाताओं समाज सेवियों व भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा वर्तमान में चल रही शित लहर को देखते हुये शासकीय प्राथमिक विद्यालय, शासकीय माध्यमिक विद्यालय व शासकीय हाई स्कूल ग्राम लसुड़िया राठौर के स्कुली बच्चों को निशुल्क स्वेटर जर्सी वितरण करने का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें सर्व प्रथम सभी आगन्तुको, समाज सेवियों, दान दाताओं, और भाजपा वरिष्ठ पदाधिकारी ने सरस्वती व भारत माता के चित्र (तस्वीर) पर कुम कुम लगाकर, माला पहनाकर, अगरबत्ती दिप प्रवजलीत कर इस आयोजन का शुभारंभ किया। फिर विद्यालय प्राचार्य व शिक्षक स्टाप द्वारा सभी आगन्तुको को फुल माला पहनाकर स्वागत किया गया, उसके बाद सभी 250 स्कुली बच्चौ को स्वेटर जर्सी वितरित किए गये। अतिथियों व भाजपा पदाधिकारियों द्वारा अपने उद्बोधन में उपस्थित छात्र-छात्राओं शिक्षक शिक्षीकाऔ को संबोधित करते हुए भाजपा की कई उपलब्धियां गिनाई, उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के अंदर छात्र-छात्राओं को अनेक प्रकार की सुविधा निशुल्क दी जा रही है जैसे साइकिल निशुल्क गणवेश निशुल्क किताबें निशुल्क ऐसी अनेक सुविधाएं मध्य प्रदेश शासन द्वारा दी जा रही है। ऐसी कई उपलब्धियां बताई। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी कृष्ण पाल सिंह शक्तावत मंडल अध्यक्ष राकेश पाटीदार वरिष्ठ भाजपा नेता मनोहर लाल जैन भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मल्हारगढ़ मंडल अध्यक्ष बाबूलाल डाका पिपल्या विशन्या, किसान मोर्चा पिपलिया मंडी मण्डल अध्यक्ष देवीलाल गुर्जर, ग्राम पंचायत के सरपंच विनोद प्रजापत, उप सरपंच श्रवण सिंह राठौड़, कमल सिंह राठौड़, डॉ संजय शर्मा, सतीश गुप्ता, माणक भूत, विनोद भूत, मनोहर सिंह राठौड़, शेर सिंह राठौड़, रणजीत सिंह राठौड़, अंतिम ओझा डाक्टर कुशल बैरागी, शिक्षा विभाग मल्हारगढ़ ब्लाक शिक्षा अधिकारी बी एल चौहान, बी आर सी शिशिर विजयवर्गीय, नरेंद्र चौधरी, दीनदयाल सिंह शक्तावत, मति कविता सोनी, प्रहलाद खटोड़, विद्यालय स्टाफ दिनेश पाटीदार, शंभू सिंह सोनगरा, माणक लाल गुप्ता, सुनील पाटीदार, श्री मति दीपिका पांडे, श्री मति मंजू पाटीदार, श्री मति नीतू भूत, सुश्री सीमा पाटीदार, सुश्री सपना पाटीदार और प्रभारी प्राचार्य अरुण कुमार पाटीदार, स्कुली बालक बालिकाएं व ग्रामीण जन उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन भारतीय जनता पार्टी पूर्व बुथ अध्यक्ष माणक जी भूत ने व आभार विद्यालय के प्राचार्य व ब्लाक शिक्षा अधिकारी श्री बी एल चौहान ने व्यक्त किया ।

गॉव गॉव का सर्वे कर पहले उन हितग्राहियों को पीएम आवास का लाभ दिया जाए

जिनके कच्चे मकान या झोपड़ी है- राज्यमंत्री श्री लोधी

केन -वेतवा नदी को हमारी व्यारमा नदी से जोड़ने की बनाई जा रही है योजना,

घटेरा के पास बड़ा बांध बनाकर हर किसानों के खेतो में सिचाई के लिए

पाईप लाईन से पहुंचाया जाएगा पानी

मेगा शिविर में 172 हितग्राहियो को 1 करोड़ 13 लाख 43 हजार रूपये से

अधिक राशि के हितलाभ प्रदान किये गये

तेंदूखेड़ा में मेगा शिविर संपन्न

दमोह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का मानना है कि पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जायें ग्राम के हितग्राहियों को चक्कर न लगाने पड़े। अभी तक 36 ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जा चुके है इसके अलावा नगर परिषद में 12 स्थनों पर शिविर लगाये गये है। मेगा शिविर जो गांव-गांव हितग्राही चिन्हित किए गए है। उनको हितलाभ वितरण किया जाएगा। आप सबकी सुख समृद्धि के लिए भाजपा सरकार लगातार काम कर रही है। डॉ. मोहन यादव सरकार ने कहा था कि लाड़ली बहनों के खातों में पैसा आएगा और हर माह बहनों के खाते में पैसे डाले जा रहे है। हमारी सरकार लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1250 रुपये देने का कार्य कर रही है, पहले विकास यात्रा में कहा था कि हमारी सरकार बहनों को 1000 रूपये प्रति माह देने का काम करेगी तो किसी को विश्वास नहीं हुआ था हमारी सरकार जो कहती है सो करती है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव जी नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए संकल्पित है। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने जबेरा विधानसभा क्षेत्र के तेंदूखेड़ा में आयोजित जनपद स्तरीय मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान मेगा शिविर में व्यक्त किये । इस अवसर पर 172 हितग्राहियों को 1 करोड़ 13 लाख 43 हजार 900 रूपये के हितलाभ वितरित किये गये। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा डॉ. मोहन यादव की सरकार आम जनता की सरकार है। केन-वेतवा परियोजना बनाई गई है। जब मुख्य मंत्री जी जबेरा आए थे तो उस समय मैने मुख्यमंत्री जी से मांग की थी कि केन -वेतवा नदी को व्यारमा नदी से जोड़ा जाये। अब घटेरा ग्राम के आगे एक बड़ा बांध बनाएगें। जिससे हर किसानों के खेतों में पाईप लाईन से पानी पहुंचेगा। जिसकी कार्य योजना बन गई है। आने वाले समय में जबेरा विधान सभा का किसान खुशहाल होगा। राज्यमंत्री श्री लोधी ने जनपद सीईओ एवं जिला पंचायत सीईओ से कहा पीएम आवास योजना के लिए पहले ग्रामों का निरीक्षण करें जो हितग्राही कच्चे मकान या झोपड़ी में रह रहे है उनके पहले आवास दिए जाने में प्राथमिकता दी जाए। जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा ने कहा जनकल्याण शिविर 26 जनवरी तक चलेंगे। जिनके कच्चे मकान या झोपड़ी बनी है उनको पहले प्राथमिकता दी जाएगीं। एसडीएम सौरभ गंधर्व ने कहा बी-बागरी ने दिया। राज्य मंत्री श्री लोधी ने महिला बाल विकास, नगर परिषद, राजस्व विभाग, वनविभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जपनपद पंचायत विभाग, खाद्यविभाग, उद्यानिकी विभाग के पंडालो का निरीक्षण किया। इस दौरान लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये जिसमें पी.एम स्वनिधि योजना में 9 हितग्राहियों को 1,80,000 लाख, पुष्प क्षेत्र विस्तार में 4 हितग्राही, लाडली लक्ष्मी योजना 6 हितग्राही, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 3 हितग्राही, गोद भराई कार्यक्रम 7 हितग्राही, स्वच्छ भारत मिशन 6 हितग्राही 72,000 हजार, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 50 हितग्राही 70,93,500 लाख, जनकल्याण संबल योजना 8 हितग्राही 16,000,00 लाख, पेंशन योजना 34 हितग्राही 20,400 हजार, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 12 हितग्राही 19,50,000 लाख, नलकूप 1 लागत 40,000,हजार, बायोगैस प्लांट 4 हितग्राही 88,000 हजार, गौमेत्री 1 हितग्राही एआई किट, पशुधन 1 हितग्राही 80,000 हजार, पशुपालन 2 हितग्राही 1,80,000 लाख,पट्टा वितरण 23 हितग्राही सहित 1,13,43,900 रूपये के हित लाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव, मूरत सिंह, संतकुमार पाल, संग्राम सिंह, परमसिंह ठाकुर, लक्ष्मी नामदेव, सतेन्द्र जैन, चेतन जैन, वीरेन्द्र आचार्य, सुरेष पाल, राजेश यादव, सचिन बडकुल, सोमनाथ सोनी सहित गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि एवं हितग्राही मौजूद थे।

अलीराजपुर के सभी मंदिरों में धनुर्मास आरती

अलीराजपुर सभी मंदिरों में सैकड़ों भक्त दर्शन के लिए सूर्य उदय से पहले जाते है आरती में ओर दर्शन करने अलीराजपुर के मध्य श्री रणछोड़ राय जी मंदिर में भी 1 जनवरी से धनुर्मास की आरती अर्थात सूर्य उदय के पहले नित्य ही आरती हो रही है और भगवान रणछोड़ राय जी को दूध और चावल से बने खीरण का भोग भक्तों के द्वारा प्रतिदिन लगाया जा रहा है यह आरती मकर संक्रांति तक इसी तरह रोजाना होती है जहां पर सैकड़ो की संख्या में भक्तगण और बच्चे आरती में उपस्थित होकर दर्शन का लाभ लेते हैं एवं प्रसादी प्राप्त करते हैं अलीराजपुर जिले में धनुर्मास आरती सभी मंदिरों में कई वर्षों से इसी प्रकार से हो रही है सूर्य उदय के पहले होने वाली इस आरती का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के जीवन में ,दिनचर्या को सुव्यवस्थित करता है और इन 14 दोनों पर नित्य आरती में आने वाले भक्तों की सूर्योदय से पहले उठने की एक आदत बन जाती है डेवलप हो जाती है इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि व्यक्ति जीवन में निरंतर सूर्य की, माता-पिता की, अपने आराध्य की उपासना पूजा करने के उपरांत अपने कर्म की ओर अग्रेषित हो सके पंडित पुरुषोत्तम जोशी ने बताया कि व्यक्ति की आदत ही उसके कर्मों बनते हैं और उसके कर्मों से ही उसका भाग्य बनता है इसलिए इस धनुर्मास आरती का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के विचारों में और उसकी आदतों में धर्म के अनुरूप नियम पूर्वक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है धनुर्मास आरती में आने वाले भक्तों अपने-अपने अनुभव बताते हैं कि हमारे जीवन में एक अलग ही प्रकार का प्रभाव पड़ता है एक अलग ही प्रकार का परिवर्तन होता है और सूर्योदय से पहले होने वाली आरती में सम्मिलित होने पर ऐसा लगता है जैसे भाग्य का उदय हो रहा हो रणछोड़ राय जी मंदिर के पुजारी पुरुषोत्तम जोशी ने बताया कि धनुर्मास आरती का यह क्रम कई पीढ़ियों से चला आ रहा है उनके पुत्र कपिल जोशी ने बताया कि मेरे पापा को ब्रेन हेमरेज होने से वह कोमा में चले गए थे सभी डाक्टरों ने जवाब दे दिया था कि अब कुछ नहीं हो सकता है पुरुषोत्तम जी जोशी ने बताया कि में स्वस्थ होकर आप सभी के सामने हु ओर यह रणछोड़ राय जी का चमत्कार ही है कि में आज भी सेवा दे रहा हु प्रात: आरती मैं आने वाले भक्तों की एक दिनचर्या बन जाती है और वह श्रेष्ठ कर्म करके अपने जीवन में सुख शांति और सौभाग्य को प्राप्त करते हैं अत: अधिक से अधिक भक्त जन आरती में जरूर आए ऐसा मंदिर के पुजारी पुरुषोत्तम जोशी जी ने निवेदन किया है

घर जाओं, बचे पैदा करो... सरकार कर्मचारियों को दे रही हफ्ते में 3 दिन की छुट्टी

4-वर्किंग डेज के नियम लागू

नेशनल डेस्क. बचे कम पैदा हो रहे हैं... इस समस्या से जूझते हुए जापान की सरकार ने कर्मचारियों के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। टोक्यो गवर्नर युरिको कोइके ने बताया कि अगले साल अप्रैल से कर्मचारियों को सप्ताह में 3 दिन की छुट्टी लेने का विकल्प मिलेगा, ताकि वे बचों के पालन-पोषण में अधिक समय दे सकें और परिवार जीवन को बेहतर बना सकें। टोक्यो की गवर्नर युरिको कोइके ने ऐलान किया कि अप्रैल 2025 से कर्मचारियों को तीन दिन की छुट्टी लेने का विकल्प मिलेगा, ताकि वे अपने परिवार और बचों के पालन-पोषण में अधिक समय दे सकें।

जापान में पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि बचे पैदा करने के मामले में कमी आई है, और इसका एक मुख्य कारण करियर के साथ परिवार को संभालने में आने वाली कठिनाइयाँ हैं। लोग अपने बचों की देखभाल के लिए अक्सर अपनी नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाते हैं, जिससे देश का प्रजनन दर और भी खराब हो गया है। इसे ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने कई नई नीतियाँ अपनाई हैं ताकि जापानी जोड़ों को बचों के जन्म के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

गवर्नर कोइके ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि यह योजना कार्यस्थल पर लचीलापन लाने और महिलाओं को करियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने का अवसर देने के लिए है। उनके मुताबिक, यह कदम सुनिश्चित करेगा कि कोई भी कर्मचारी बचों के पालन-पोषण के कारण अपना करियर न छोड़ने के लिए मजबूर हो। इसके अलावा, यह पहल उन माता-पिता के लिए भी सहायक होगी जिनके बचे प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्हें काम के घंटे कम करने का विकल्प दिया जाएगा, जिससे उनके वेतन में संतुलित कटौती की जाएगी। जापान में पिछले साल सिर्फ 727,277 जन्म दर्ज किए गए थे, जो ओवरटाइम कार्य संस्कृति के कारण कम हुए हैं। यहाँ महिलाओं को करियर और परिवार के बीच चुनने के लिए मजबूर किया जाता है, जो जन्म दर को प्रभावित करता है।

वैश्विक स्तर पर, 2022 में 4 डे-वीक ग्लोबल द्वारा चार दिन के *Work-Week* को आजमाया गया था, जिसमें 90त्न से अधिक कर्मचारियों ने इसे बनाए रखने की इछा जताई थी। अन्य एशियाई देशों, जैसे सिंगापुर, ने भी काम के घंटे में लचीलापन लाने पर जोर दिया है, ताकि कर्मचारियों को बेहतर संतुलन मिल सके।

आज फिर चीन के जिजांग क्षेत्र में महसूस किए गए भूकंप के झटके

इंटरनेशनल डेस्क। चीन के जिजांग क्षेत्र में आज सुबह फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बार भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई और इसका केंद्र 50 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय समयानुसार सुबह करीब 6 बजे यह भूकंप आया।

भूकंप का केंद्र चीन के कब्जे वाले जिजांग जिले के शिगत्से शहर के पास था जहां 7 जनवरी को 6.8 की तीव्रता वाले भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी।

7 जनवरी को नेपाल में आए भूकंप ने चीन के पश्चिमी पहाड़ी इलाकों को भी हिला दिया था। इस भूकंप से 32 लोग चीन में मारे गए थे और सबसे ज्यादा असर तिब्बत के शिगत्से शहर पर पड़ा। इस शहर में 6.8 की तीव्रता वाले भूकंप से भारी नुकसान हुआ। 126 लोगों की जान चली गई घर और इमारतें ढह गईं पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए और पूरा शहर मलबे से ढक गया। इसके बाद ब्लैकआउट हो गया और लोग माइनस तापमान में खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर हो गए। वहीं सरकार द्वारा राहत और पुनर्निर्माण कार्य चीन की सरकार ने शिगत्से शहर को फिर से बसाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं क्योंकि यह शहर माउंट एवरेस्ट जाने के लिए चीन का प्रवेश द्वार है। सरकार अब इस शहर के पुनर्निर्माण में जुटी हुई है। वहीं 7 जनवरी के भूकंप के बाद से अब तक आफ्टरशॉक लगातार महसूस हो रहे हैं जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

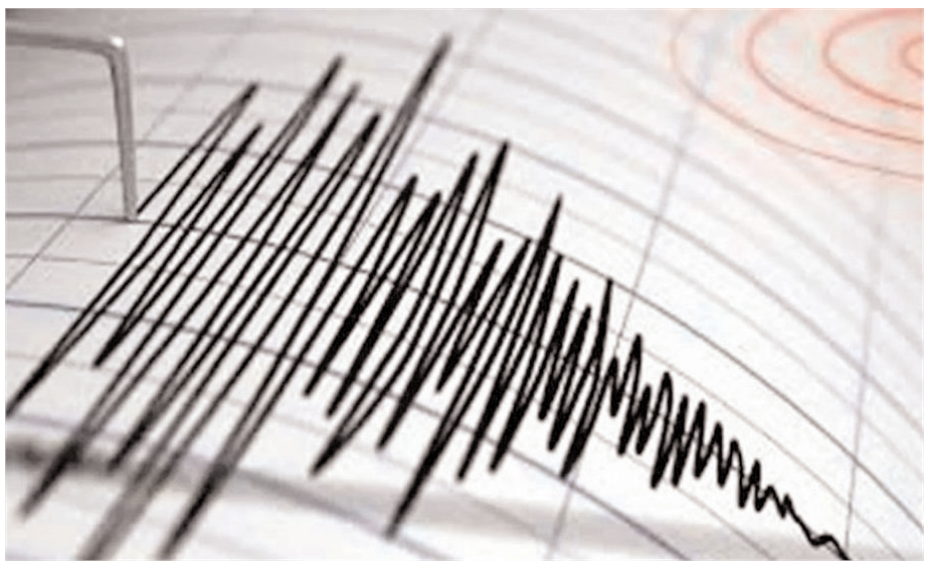

इस बार जान-माल की हानि नहीं

आफ्टरशॉक और भूकंप का असर 9 जनवरी को आए इस भूकंप के बाद लोग फिर से सहम गए हैं। हालांकि इस बार किसी प्रकार का बड़ा नुकसान या जान-माल की हानि नहीं हुई है लेकिन 7 जनवरी की आपदा से प्रभावित लोग अब भी आफ्टरशॉक के चलते चिंतित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह आफ्टरशॉक भूकंप के बाद के सामान्य घटनाएं हैं लेकिन लोग अब भी सतर्क और परेशान हैं।

फिलहाल चीन के जिजांग क्षेत्र में आने वाले भूकंपों के कारण नागरिक सुरक्षा एजेंसियां और स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं ताकि भविष्य में इस तरह की आपदाओं से बचा जा सके।

अमेरिकी संसद में पाकिस्तान के खिलाफ विधेयक पेश

इंटरनेशनल डेस्क। रिपब्लिकन पार्टी के एक प्रभावशाली सांसद ने एक बार फिर अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें पाकिस्तान का प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी देश का दर्जा खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया है। संसद सदस्य और प्रतिनिधि सभा की न्यायिक समिति की अपराध एवं संघीय सरकार निगरानी उपसमिति के अध्यक्ष एंडी बिग्स ने यह विधेयक पेश किया है, जिसमें कहा गया है कि अगर पाकिस्तान अपने यहां हक्कानी नेटवर्क पर सैन्य कार्रवाई जारी रखता है, तो ही राष्ट्रपति को इस संबंध में प्रमाणपत्र जारी करना चाहिए।

विधेयक में कहा गया है कि यदि राष्ट्रपति प्रमाणपत्र जारी करते हैं तो उसमें यह बताया जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने हक्कानी नेटवर्क को पाकिस्तान को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल करने से रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने को लेकर कदम उठाए हैं। साथ ही प्रमाणपत्र में यह भी बताया जाना चाहिए कि पाकिस्तान अफगान-पाक सीमा पर हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकी संगठन के सदस्यों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए अफगान सरकार के साथ सक्रिय रूप से समन्वय करता है। बिग्स ने जनवरी 2019 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पहली बार यह विधेयक पेश किया था। इसके बाद कई बार यह विधेयक पेश किया जा चुका है। हालांकि यह विधेयक आगे नहीं बढ़ पाया है।

अमेरिका के हॉलीवुड हिल्स में भीषण आग से तबाही !

हजारों इमारतें और बड़े सितारों के घर खाक, बाइडेन ने रद्द की इटली यात्रा

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के हॉलीवुड हिल्स में लगी भीषण आग ने लॉस एंजेलिस में तबाही मचा दी है। अब तक 1,000 से अधिक इमारतें और घर जलकर खाक हो चुके हैं। 1.30 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। इस संकट के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी इटली यात्रा रद्द कर दी है। वहीं, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आग की घटना को लेकर सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। बुधवार शाम को शुरू हुई आग ने हॉलीवुड बाउल और हॉलीवुड हिल्स के पास के क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है। अब तक आग के कारण पांच लोगों की मौत हो चुकी है। अग्निशमन दल ने तीन बड़ी आग पर काबू पा लिया है, लेकिन स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस संकट के मद्देनजर अपनी इटली यात्रा रद्द कर दी है। वे वाशिंगटन में रहकर कैलिफोर्निया के हालात पर नजर रख रहे हैं।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने आग की इस घटना को लेकर सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पानी की कमी और प्रशासन की लापरवाही के कारण आग को समय पर नहीं रोका जा सका। आग के कारण 1,000 से अधिक घर और इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। पूरे लॉस एंजेलिस में धुएं का गुबार छाया हुआ है। आग के तेजी से फैलने की आशंका के चलते सांता मोनिका और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को तुरंत घर खाली करने का आदेश दिया गया है। लॉस एंजेलिस की मेयर कैरेन बास ने बताया कि कैलिफोर्निया और अन्य स्थानों से अग्निशमन दल मदद के लिए पहुंचे हैं। साथ ही आग पर काबू पाने के लिए हवाई अभियान भी चलाया जा रहा है।

पासाडेना के अग्निशमन प्रमुख चैड ऑगस्टिन ने बताया कि ईटन क्षेत्र में लगी आग ने 200 से 500 इमारतों को नष्ट कर दिया है। पानी की आपूर्ति और बिजली कटौती के कारण आग बुझाने में बाधा आ रही थी। तेज हवाओं के चलते आग की चिंगारियां दूर-दूर तक फैल रही थीं, जिससे नए क्षेत्रों में भी आग लग गई। पैसिफिक पैलिसेड्स में भी आग ने काफी तबाही मचाई। कई घर जलकर खाक हो गए, स्विमिंग पूल काले हो गए, और लक्जरी कारें पिघले हुए टायरों पर खड़ी नजर आईं।

आग ने कैलाबास और सांता मोनिका जैसे क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया, जहां कई हॉलीवुड हस्तियों के घर थे। मैंडी मूर, कैरी एल्वेस और पेरिस हिल्टन जैसे सितारों ने अपने घर खो दिए।

कनाडाई पत्रकार का खुलासा- टूडो के जाने से देश की जनता बेहद खुश

लोगों को अब बेहतर भविष्य की उम्मीद

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता में कमियां साफ दिख चुकी हैं, और कनाडाई जनता उनके पद छोड़ने से राहत महसूस कर रही है। बोर्डमैन ने टूडो के कार्यकाल की आलोचना करते हुए खासतौर पर कनाडा-अमेरिका संबंधों को लेकर उनकी नीतियों को असफल बताया। एक इंटरव्यू में बोर्डमैन ने कहा, कनाडा में लोग इस बात से खुश हैं कि जस्टिन टूडो ने आखिरकार कैमरे के सामने आकर स्वीकार किया कि उन्होंने असफलता का सामना किया। खुद को महान प्रधानमंत्री बताने वाले टूडो का जाना उनकी विफलताओं का स्पष्ट संकेत है। जस्टिन टूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे का ऐलान किया है, हालांकि वह तब तक पद पर बने रहेंगे जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता। बोर्डमैन ने अनुमान लगाया कि टूडो जून में कनाडा में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन तक पद पर बने रहना चाहते हैं, क्योंकि वह जी7 के अध्यक्ष बनने का सपना पूरा करना चाहते हैं। बोर्डमैन ने कहा, टूडो हमेशा घरेलू प्रशासन की तुलना में अंतरराष्ट्रीय पहचान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते रहे हैं। वह वैश्विक मंच पर खड़े होकर खुद को जी7 का अध्यक्ष कहलाना चाहते हैं। डैनियल बोर्डमैन ने टूडो के कार्यकाल में कनाडा-अमेरिका संबंधों की बिगड़ती स्थिति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि टूडो की नीतियों ने खासतौर पर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच तनाव पैदा किया।

बोर्डमैन ने कहा, विदेश नीति का सामान्य नियम है कि आप अपने सहयोगी देशों के आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करते, लेकिन टूडो ने इस सिद्धांत की अनदेखी की। अगर ट्रंप दोबारा सत्ता में आते हैं, तो कनाडा को विश्वास बहाल करने और व्यापार समझौतों पर फिर से बातचीत करने की जरूरत होगी। बोर्डमैन ने लिबरल पार्टी के भीतर गुटबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी में पूर्व उपप्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड जैसे नेताओं के अलग-अलग गुट हैं, और टूडो का इस्तीफा महज समय खरीदने की कोशिश है। उन्होंने कहा, पार्टी बुरी तरह बंटी हुई है। टूडो का पद पर बने रहना इस गुटबाजी को कुछ समय के लिए टालने की कोशिश है।

डैनियल बोर्डमैन ने टूडो के भविष्य को लेकर कहा कि वह अब जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कारणों पर काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, टूडो ग्रेटा थनबर्ग जैसी शख्सियतों को आदर्श मानते हैं और एक अंतरराष्ट्रीय एनजीओ का नेतृत्व करने का सपना देखते हैं, जहां वह बिना जवाबदेही के वैश्विक मुद्दों पर काम कर सकें। बोर्डमैन ने कनाडा के भविष्य को लेकर उम्मीद जताई कि कंजरवेटिव नेतृत्व के तहत ऊर्जा नीतियों और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा, प्रो-बिजनेस नेतृत्व के साथ कनाडा और अमेरिका दोनों में रुके हुए प्रोजेक्ट, जैसे कि कीस्टोन पाइपलाइन, आगे बढ़ सकते हैं। इससे आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

तिरुपति हादसे में 6 की मौत , 40 हुए घायल

नेशनल डेस्क. आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में बुधवार रात करीब 9:30 बजे भगदड़ मच गई, जिससे एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई और 40 लोग घायल हो गए। हादसा वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए टिकट वितरण के दौरान हुआ।

घटना का विवरण

शुक्रवार से शुरू होने वाले 10 दिवसीय विशेष वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए मंदिर प्रबंधन ने 91 काउंटर खोले थे। करीब 4,000 लोग टिकट लेने के लिए कतार में खड़े थे। इसी दौरान लाइन में खड़ी एक महिला अचानक बेहोश हो गई। उसे इलाज के लिए गेट खोलकर बाहर निकाला गया, लेकिन इस दौरान कई लोग अंदर घुसने की कोशिश करने लगे, जिससे भगदड़ मच गई। हादसे में घायल महिला की भी मौत हो गई।

घायलों की स्थिति

पद्मावती मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर कुमार के अनुसार, कई घायलों को फ्रैक्चर हुआ है, जबकि अन्य को मामूली चोटें आई हैं।

मुख्यमंत्री का दौरा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आज दोपहर 12 बजे तिरुपति पहुंचेंगे और घायलों से मिलेंगे। वे मंदिर परिसर में तीन घंटे का समय बिताएंगे।

वैकुंठ द्वार दर्शन की जानकारी

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने पहले बताया था कि 10 से 19 जनवरी तक वैकुंठ एकादशी पर विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई है। सुबह 4:30 बजे से प्रोटोकॉल दर्शन और फिर सुबह 8 बजे से सर्वदर्शन शुरू होगा। इन 10 दिनों में लगभग 7 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

मंदिर की महत्ता

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और धनी तीर्थस्थलों में से एक है।

यह मंदिर आंध्र प्रदेश के सेशाचलम पर्वत पर स्थित है। भगवान वेंकटेश्वर का यह मंदिर 11वीं सदी में रामानुजाचार्य द्वारा प्रतिष्ठित किया गया था।

धार्मिक मान्यताएं

इस मंदिर को शेषनाग के सात फनों का प्रतीक माना जाता है, जिसकी सात चोटियां क्रमशः शेषाद्रि, नीलाद्रि, गरुड़ाद्रि, अंजनाद्रि, वृषटाद्रि, नारायणाद्रि और व्यंकटाद्रि कही जाती हैं। व्यंकटाद्रि चोटी पर भगवान वेंकटेश्वर विराजमान हैं। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने विवाह के लिए कुबेर से कर्ज लिया था, जिसे श्रद्धालु दान के माध्यम से चुकाने में मदद करते हैं। मंदिर को हर साल लगभग एक टन सोना दान में मिलता है।

भगवान बालाजी के दर्शन दिन में तीन बार होते हैं- सुबह (विश्वरूप दर्शन), दोपहर और रात।

शुक्रवार को अभिषेक के समय ही भगवान की पूरी मूर्ति के दर्शन संभव हैं। मंदिर परिसर में अन्य धार्मिक स्थल भी हैं, जैसे आकाश गंगा, पापनाशक तीर्थ, वैकुंठ तीर्थ और जलावितीर्थ।

यह स्थान भगवान वेंकटेश्वर की लीलाओं और उनके भक्त रामानुजाचार्य से जुड़ी अद्भुत कहानियों के लिए प्रसिद्ध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569